6 साल बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक
कुमावत इंडिया
कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com
Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-7 | अंक-9 अप्रैल-2024 पृष्ठ-28 मूल्य : ₹ 20.00

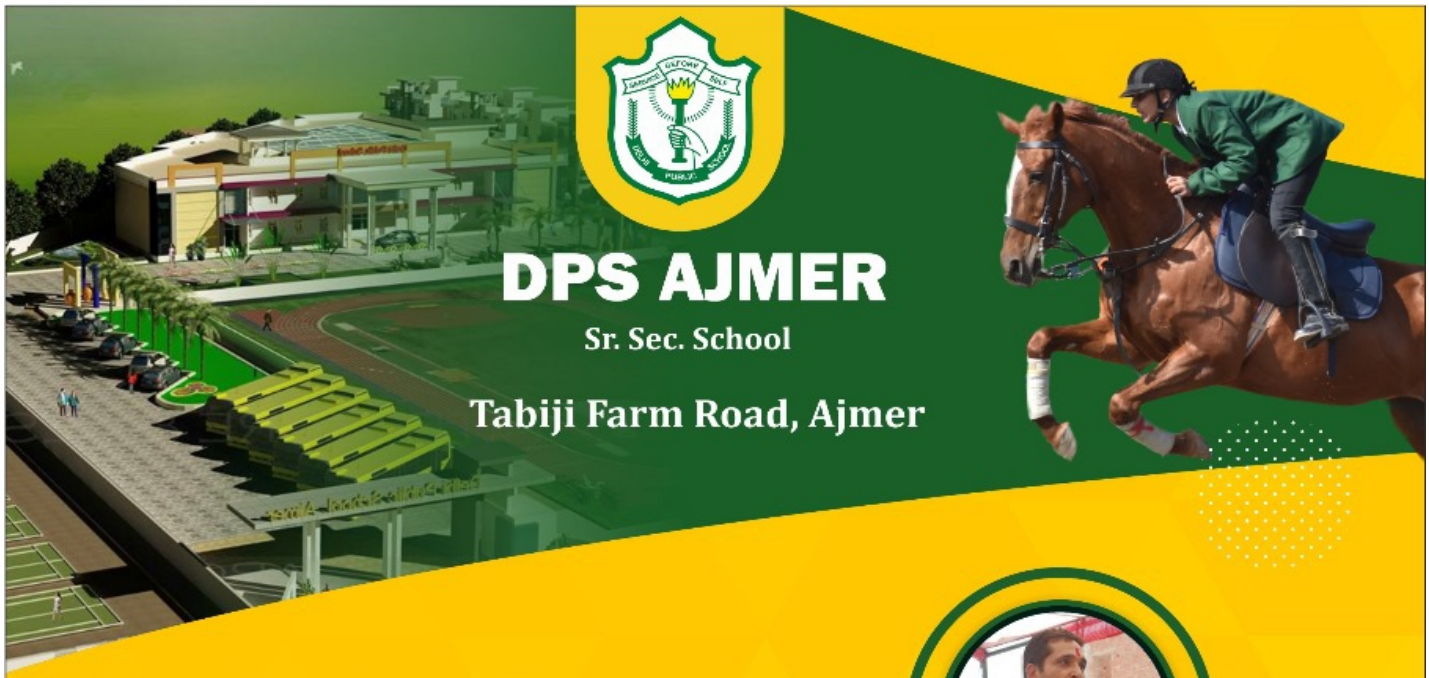

DPS AJMER
Sr. Sec. School
Tabiji Farm Road, Ajmer
ESTABLISHING
The Right Environment
We believe in building a modern culture using both traditional & next-generation tools. So, your child's natural talents can blossom.
SHASHI PAL KUMAWAT
Chairman
Our Activities
Archery & International
Level Shooting Range
Swimming Pool
"DPS Wave Pulse"
Horse Riding Club
Won Laurels at the National Level
Skating Rink
Karate Club
We have won Karate Championship at District, State & National Level.
Art & Craft
Tabiji Farm Road, Near D.D. Puram, Beawar Road, Ajmer
Web: www.dpsajmer.in
E-Mail: info@dpsajmer.in

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

संरक्षक	:	जयकिशन सोकिल	**मो. 9829125428**
अध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	**मो. 9887440666**
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	**मो. 9414074376**
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	**मो. 9414810584**
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	**मो. 9549656438**
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	**मो. 9829056063**
		रमेश कुमावत (गेदर)	**मो. 9414554322**
		चेतन बालोदिया	**मो. 9414052736**
		मोहन लाल कुमावत	**मो. 9887557425**
मुख्य सलाहकार	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	**मो. 9414994006**
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	**मो. 9414263429**

सम्पादक मण्डल : रमेश चन्द कुमावत (गैदर) सम्पादक -9414554322, जयसिंह गुड़ीवाल सह-सम्पादक 9461343432, मनीष कुमावत 9660702083, रमेश तोंदवाल 9460870125 रवि कुमावत 9829600411, लक्ष्मीनारायण सिरस्वा 9829791846, उर्वशी बालोदिया 9351680888, प्रिया मारवाल 9408093778 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया, मुकेश कारगवाल 9828606056 व राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493,** रवि बेडवाल **मो. 8290303003 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645 किशनगढ़ :** प्रभुदयाल तुनगरिया **9680931428**

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता व 22 गोदाम, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित, सम्पादक रमेश चंद कुमावत।

सम्पादकीय

समाज व्यक्तियों के समुच्चय से मिलकर बनता है, समाज के विकास के लिए समाज के निवासियों के व्यक्तित्व का स्तर जानना-समझना होगा तब ही समाज की विकृतियों को हटाने और सत्यवृत्तियों को प्रखर करने की कार्ययोजना बनाई जा सकती है। समाज के व्यक्तियों में साधन-समृद्धि में वृद्धि हो रही है यह अच्छा है पर व्यक्तित्व में कमियां हैं तो यह समृद्धि कभी भी नकारात्मकता की ओर मुड़ सकती है।

मानव तथा समाज के विकासक्रम के साथ-साथ हम पुरातन समय की प्रवृत्तियों को छोड़ते रहे हैं तथा मानवोचित संस्कारों का विकास करते हुए उन्हें अपनाते रहे हैं। समाज में अनेक ऐसे व्यक्तित्व पैदा होते रहे हैं जिन्होंने परम्परागत व वंशानुगत कुसंस्कारों की केंचुली को साहस करके उतार फेंका तथा मानव व समाज को नवीन दिशा की ओर मोड़ दिया। ऐसे महानुभावों का दृष्टिकोण आदर्शवादी व उत्कृष्ट था न कि व्यक्तिगत स्वार्थ पर टिका था।

यदि कुमावत समाज की आज से 50 से 100 वर्ष पहले की बात करें तो इस समाज में ऐसे महानुभाव हुए हैं जिन्होंने समाज को नई दिशा दी।

पिछले 50 वर्षों में कुमावत समाज में समाज के विकास में योगदान देने के वायदे के साथ अनेक संगठन बनाए। पर यह कटु सत्य है कि लगभग ये सभी संगठन अपने उद्देश्य में सफल नहीं हुए। इसके कई कारण हो सकते हैं पर संगठन के पदाधिकारियों को इसमें आ रही अड़चनों को दूर करने का प्रयास करना चाहिये। समाज की स्थिति जस-की-तस है। समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियां तथा विकृतियों को हटाने पर ही कार्य नहीं हुआ तो विकास की बात बेमानी है। ऐसे संगठन वर्ष में एकबार समाज के आम लोगों को बुलाकर तथा सामुहिक भोज कराकर इतिश्री कर लें और बाकी समय मौन रहें तो संगठनों के औचित्य पर स्वत: प्रश्नचिह्न आ जाता है और लोग निराश होकर दूर होते जाते हैं। कुछ संगठन तो ऐसे हैं जिन पर एक बार पदाधिकारी चुनकर आ गये तो फिर वहां से हटना नहीं चाहते तथा वर्षों तक येन-केन चिपके रहते हैं, शायद उन्हें संशय है कि उनके हटते ही संगठन बिखर जायेगा। इनमें से कुछ तो निजी स्वार्थवश अपना वर्चस्व बनाये रखने के लिए सही व सटीक बात करने वाले अच्छे पदाधिकारियों व सदस्यों को षड्यंत्रपूर्वक व योजनाबद्ध तरीके से संगठन से बाहर करने पर ही ध्यान केन्द्रित किये हैं और संगठन का समय बर्बाद कर रहे हैं। ऐसे में नुकसान संगठन का होता है। जबकि शालीनतापूर्वक तथा उदार सहकारिता की नीति ही समाज को आगे ले जाने में सहायक होती है। सत्प्रवृत्तियों का त्याग करने से ऐसे पदाधिकारी अपने मन में भले ही खुश हो ले लेकिन समाज के लोग उनकी ऐसी प्रवृत्तियों को समझ रहे होते हैं तथा ऐसे लोग एक दिन स्वयं ही अपमानजनक स्थिति को प्राप्त होते हैं। तब तक वे संगठन को भी विनाश के कगार पर ले जाते हैं जिसे सम्भालना मुश्किल हो जाता है। कुछ पदाधिकारी तो ऐसे हैं जो अपने कार्यकाल को स्वर्णिम बताते हैं ओर स्वयं के हटने के बाद संस्था को बेकार हो जाने की संज्ञा देते हैं। ऐसे लोगों को हमें नकारना ही ठीक होता है।

समाज के उज्ज्वल भविष्य के लिए शांति व प्रगति, लोक व्यवहार में सदाशयता का समावेश रहे तथा एक-दूसरे का आदर-सत्कार के साथ सद्चरित्रता जरूरी घटक है। हमारे समाज में लोक चेतना में अवांछनीयता का प्रचलन न करे न ही ऐसा करने वालों का समर्थन व पोषण करें। इसके स्थान पर नैतिकता तथा बौधिकता के आधार पर ऐसे लोगों को ही संगठन में चुने। ऐसे लोग विचारशील तथा सकारात्मक सोच वाले हो जो सामाजिक विकृतियों को समाज से हटाने के क्रान्तिकारी फैसले लेकर समाज के लोगों विशेषकर युवाओं व मातृशक्ति के चहुंमुखी विकास की आधारशिला रख सकें।

- रमेश चन्द कुमावत

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
स्वामिनी सेवा संस्था द्वारा आयोजित सर्व समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन	5
कांग्रेस ने डूंगगरराम गेदर को बनाया स्टार प्रचारक	5
कल्पना रत्तीवाल को किया सम्मानित	5
दुर्गा कुमावत ने राज्य स्तरीय रेकार्ड बनाया	6
लकी कुमावत ने जेसीबी का मॉडल बनाया	6
हार्दिक कुमावत के जेईई में 99.26 प्रतिशत अंक	6
सुरेन्द्र लांबा कांग्रेस वार रूम प्रभारी नियुक्त	6
दीपशिखा प्राबेशनरी ऑफिसर चयनत	6
सिंगर दिव्या कुमावत सम्मानित	6
फागोत्सव का हुआ आयोजन	6
एडवोकेट सोहनलाल कुमावत का नोटरी पब्लिक में चयन	7
अजमेर में साधारण सभा व होली स्नेह मिलन समारोह	7
इन्दौर में रंगपंचमी का आयोजन व चुनाव	7
गणगौर कुमावत समाज महिला मंडल, इंदौर द्वारा आयोजित	8
सामाजिक एकता को बढ़ावा देने पर जोर	8
होली मिलन व युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित	8
श्री क्षत्रिय कुमावत समाज विवाह समिति का 15वां सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न	8
खेडा बालाजी में सामुहिक विवाह	8
भाजपा ने संजीव वर्मा को जिला प्रभारी अजमेर देहात नियुक्त किया	9
क्षत्रिय कुमावत सेवा समिति के तीसरी बार शंकरलाल मेरावंडिया अध्यक्ष	9
चरण स्पर्श	10
श्री कुमावत समाज संस्थान पुलां, उदयपुर के चुनाव	10
ईश्वर का साक्षात दर्शन ''माँ''	11
वृद्धि, उन्नति व सफलता बनाम लक्ष्मी	11
जीवन में आनन्द	12
समाज में परिवर्तन लायें	12
रामनवमी पर महिलाओं की भव्य कलशयात्रा	13
सारथी सहायता समूह कुमावत समाज की अयोध्याधाम यात्रा	13
ज्यूरिस कप: हैंडीकैप कैटेगरी में मनीष बने विजेता	13
गर्मी में बच्चों का रखे ध्यान	13
हमारे लोकतांत्रिक मूल्य	14
अद्‌भुत अन्तर्जगत	14
विवाह समारोह और अन्न की बर्बादी	15
बाड़ करेला (ककोड़े यानी मीठा करेला)	16
सेहतमंद जीवन और लंबी उम्र के लिए हंसिये और हंसाते रहिए	17
परिवार संस्था की ओर लौटता अमेरिका	18
वास्तु के अनुसार बनाए घर	19
विशिष्ठ संरक्षक सूची व श्रद्धांजलि	20
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	21
आवश्यक सूचनाएं व पत्रिका नहीं मिलने परसम्पर्क सूत्र	22
शोभना मारू टेलीपरफार्मेस डायरेक्टर ऑपरेशन पर चयनित	24
सुरभि टांक सहायक पायलेट बनी, पूजा कुमावत, कविता कुमावत	24
विज्ञापन	23, 26

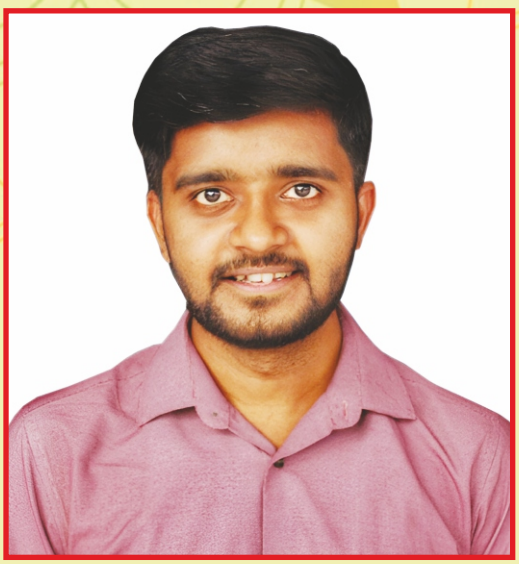

हमारे प्रिय **तरुण वर्मा** पुत्र श्रीमती संगीता एवं श्री राकेश मामोड़िया निवासी मकान नंबर 1785 खेजड़ों का रास्ता, इंदिरा बाजार, जयपुर को स्विट्जरलैंड से **स्विस गवर्नमेंट एक्सिलेंस रिसर्च फैलोशिप (Smart Living Lab EPFL)** प्राप्त करने व **मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर में असिस्टेंट प्रोफेसर (आर्किटेक्चर ग्रेड-II)** पद पर नियुक्ति होने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं।

शुभेच्छु

नाना-नानी : शांति कुमार वर्मा (सेवानिवृत्त शासन उपसचिव)- शांति कुमारी

मामा-मामी : रवीन्द्र कुमार-आराधना, कमलेश कुमार (पुलिस निरीक्षक)- अदिति

मौसी : अंजना, **भाई-बहन :** निखिल (सी.ए. फाइनल), अंजली, कौमुदी, पर्ल एवं कृष्ण।

म.नं. 1676, बाबा हरिश्चंद्र मार्ग, इंदिरा बाजार, जयपुर। सम्पर्क सूत्र-8764426790, 8233009001

स्वामिनी सेवा संस्था द्वारा आयोजित सर्व समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन में बने जीवन साथी

17 अप्रैल 2024 स्वामिनी सेवा संस्था, जयपुर के तत्वावधान में रामनवमी के अवसर पर प्रथम सर्व समाज विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। दूल्हे पक्ष के लोग खिरनी फाटक के पास एकत्रित हुए, वहां से सामूहिक बारात बैंड बाजे के साथ मुख्य मार्गों से होती हुई सागर पैरेडाइज पहुंची, जहां समिति के सदस्यों और वधु पक्ष के लोगों द्वारा पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। फिर सामूहिक तोरण की रस्म तथा वरमाला का कार्यक्रम हुआ। पंडितों ने वर वधु का सामूहिक रूप से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ फेरों सहित अन्य रस्में पूरी करवाई। सम्मेलन में वर वधु को बेटी बचाओ, बेटी पढाओ की शपथ के साथ मतदान करने का संकल्प भी करवाया गया तथा यह जानकारी भी दी गई कि निर्वाचन विभाग की तरफ से भी नव विवाहित जोड़े द्वारा मतदान करके सेल्फी अपलोड करने पर प्रमाण दिया जायेगा।

इस विवाह सम्मेलन को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। विवाह सम्मेलन में आयोजित प्रीतिभोज में लोगों ने सामूहिक भोज किया। समिति के अध्यक्ष अशोक कुमावत, मंत्री गोविन्द वर्मा, कोषाध्यक्ष गुरूदयाल वर्मा व सहायक मंत्री महेन्द्र कुमावत ने बताया कि कन्यादान में संस्था द्वारा प्रत्येक जोड़े को चांदी की पायजेब, चिटकी, अंगूठी, मंगलसूत्र, लोंग व अन्य घरेलू सामान दिया गया। समारोह के अध्यक्ष समाजसेवी नीरज कुमार शर्मा, मुख्य अतिथि मुनेश गुर्जर महापौर नगर निगम हैरिटेज, उप मुख्य अतिथि समाजसेवी बाबूलाल सेठी व अति विशिष्ट अतिथि गोपाल शर्मा विधायक सिविल लाईन व भाजपा ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत तथा विशिष्ट अतिथि रमेश चंद राणोलिया, रोशन सैनी, मनीष देवंदा, एडवोकेट सांवरमल गुर्जर व मनोज खाण्डल थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि मुनेश गुर्जर ने स्वामिनी सेवा संस्था की प्रशंसा करते हुए कहा कि सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन सामाजिक समरसता की मिसाल हैं। सिविल लाईन्स विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि एक स्थान पर अलग-अलग जातियों व वर्गों के वर-वधुओं का एक साथ विवाह, वह भी नाममात्र के खर्चे पर वास्तव में एक अनुकरणीय प्रयास है। ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत ने कहा कि अक्सर देखने में आता है कि बेटी अच्छे घर में जाए इसके लिए माता पिता सामर्थ्य से बढ़कर खर्च करते हैं इसके लिए वे कर्ज तक ले लेते हैं और फिर पूरी उम्र कर्ज उतारने में निकाल देते हैं। ऐसे में स्वामिनी सेवा संस्था की यह पहल सभी समाजों व वर्गों के लिए वरदान साबित हो सकती है। विवाह रस्में सम्पन्न होने के बाद सभी नव विवाहित जोड़ों को संस्था के सदस्यों और उनके परिजनों द्वारा रीति-रिवाज के अनुसार विदाई दी गई।

कांग्रेस ने डूंगरराम गेदर को बनाया स्टार प्रचारक

सूरतगढ़, 28 मार्च 2024 इंडियन नेशनल कांग्रेस द्वारा लोकसभा चुनाव राजस्थान के लिए 40 नामों की स्टार प्रचारकों की सूची जारी की गई। इस स्टार प्रचारक सूची में इंडियन नेशनल कांग्रेस के सूरतगढ़ विधायक डूंगरराम गेदर को भी शामिल किया गया है।

गौरतलब है कि गेदर राजस्थान प्रदेश संगठन के अनुभवी जमीनी कार्यकर्ता है। डूंगरराम गेदर को जहाँ संगठन अनुभव व राजस्थान के बूथ स्तर पर पकड़ को देखते हुये स्टार प्रचारक की जिम्मेदारी सौंपी है। सूरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने खुशी व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय व प्रदेश नेतृत्व का आभार जताया है।

छात्रा कल्पना रत्तीवाल को किया सम्मानित

सेंट्रल काउंसिल ऑफ रिसर्च होम्योपैथिक द्वारा होम्योपैथिक दिवस पर दिल्ली में आयोजित सेमिनार में मेडिकल रिसर्च करने वाले अभ्यार्थियों को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार राशि का चेक देकर सम्मानित किया। इसमें ग्राम पंचायत हिरनोदा की छात्रा कल्पना रत्तीवाल को भी सम्मानित किया गया।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से कल्पना रत्तीवाल को हार्दिक बधाई।

दुर्गा कुमावत ने राज्य स्तरीय रेकार्ड बनाया

12वीं राजस्थान राज्य पुरुष व महिला क्लासिक पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप 2024 में 43 किग्रा भार वर्ग में 232.5 किग्रा वजन उठाकर दुर्गा कुमावत ने राज्य स्तरीय रेकार्ड बनाया।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से दुर्गा कुमावत को बधाई।

हार्दिक कुमावत के JEE में 99.26% अंक

श्री हेमेन्द्र-दीपाली कुमावत निवासी बरकतनगर जयपुर के पुत्र **हार्दिक कुमावत** ने JEE (Main) 2024 परीक्षा में 99.26 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक कुमावत को बधाई व शुभकामनाएं।

लकी कुमावत ने जेसीबी का मॉडल बनाया

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, खोराश्यामदास कक्षा-9 में अध्ययनरत लकी कुमावत अपने दिमाग, मेहनत ओर लगन से कागज, पानी, वायर और सुई के माध्यम से एक जेसीबी मशीन का मॉडल तैयार किया हैं जो बहुत ही काबिले तारीफ हैं। यह निश्चित रूप से भविष्य में एक अच्छा वैज्ञानिक बनकर समाज, गाँव और विद्यालय का नाम रोशन करेंगा।

सुरेन्द्र लांबा कांग्रेस वार रूम प्रभारी नियुक्त

श्री सुरेन्द्र लांबा को कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए जयपुर ग्रामीण वार रूम प्रभारी नियुक्त किया गया है।

श्री सुरेन्द्र लांबा को कांग्रेस वार रूम प्रभारी नियुक्त किए जाने पर बधाई।

दीपशिखा प्रोबेशनरी आफिसर चयनित

दीपशिखा कुमावत IBPS परीक्षा उत्तीर्ण कर सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया में प्रोबेशनरी आफिसर में चयनित हो कुमावत समाज का नाम रोशन किया है। इस चयन के लिए श्री आनन्दी लाल मेनेजर व श्री बिरदीचंद एजीएम का मार्गदर्शन रहा।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से दीपशिखा कुमावत को हार्दिक बधाई।

सिंगर दिव्या कुमावत सम्मानित

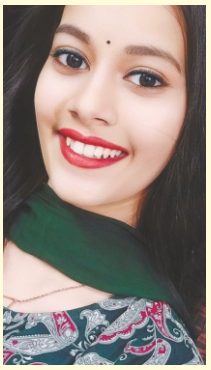

सुपर सिंगर दिव्या कुमावत पुत्री श्री दिनेश कुमावत, जोधपुर को प्लस राजस्थान जोधपुर के ओडिशन में 1st India न्यूज़ चैनल, जोधपुर ने सम्मानित किया। जोधपुर के बाद जयपुर में प्रस्तुति देने का मौका भी मिला।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से दिव्या कुमावत को बहुत-बहुत बधाई।

फागोत्सव का हुआ आयोजन : श्याम बाबा का सजाया दरबार फाग गीतों पर जमकर झूमें श्याम प्रेमी

जयपुर। श्री श्याम प्रेमी परिवार द्वारा सोडाला में फागुन के गीत और श्याम बाबा की भक्ति से श्याम भक्तों ने फागोत्सव मनाया व बाबा का विशाल दरबार सजाया गया। श्याम भक्तों ने हारे का सहारा, श्याम बाबा हमारा, खाटू नरेश की जयकारों से फागोत्सव समारोह में उपस्थिति दर्ज कराते रहे। कार्यक्रम के संयोजक शंकरलाल बालोदिया व डिंपल बालोदिया थे।

वहीं भजन गायकों रितु पांडे, हरीश वर्मा, नितिन मोदी व अनेक कलाकारों ने श्याम बाबा व फाग गीतों से समां बांधा। खाटू वाले श्याम तेरी शरण में, होलिया में उड़े रे गुलाल, रंग मत डाले रे सांवरिया, नैना नीचा कर ले आदि गीतों पर महिलाओं ने जमकर नृत्य किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण इत्र वर्षा व फूलों की होली थी। संगीत की धुनों पर जब फूलों की बारिश हुई तो क्या महिला, क्या पुरूष, छोटे-बड़े सब मानो फाग के रंग में रंग गये और अपने कदमों को थिरकने से नहीं रोक पाये। स्थानीय कलाकारों द्वारा ढप-चंग की थाप व बांसुरी पर फाल्गुनी गीतों पर सुंदर प्रस्तुतियां दी। फागोत्सव में भाजपा ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत, भागचंद बैरा, चेतन बालोदिया, जयसिंह गुड़ीवाल, रोशन जौहरी सहित बड़ी संख्या में श्याम भक्तों ने बाबा के दरबार में हाजरी

एडवोकेट सोहनलाल कुमावत का नोटरी पब्लिक में चयन

भारत सरकार, कानून और न्याय मंत्रालय, कानूनी विभाग नोटरी सेवा दिल्ली द्वारा नोटरी पब्लिक का परिणाम जारी किया है। इसमें 77 वर्षीय एडवोकेट सोहनलाल कुमावत (अजमेरा) निवासी सांगानेर का चयन हुआ है। श्री अजमेरा समाज की अनेक संस्थाओं में पदाधिकारी हैं तथा वरिष्ठ समाजसेवी के रूप में इन्होंने उल्लेखनीय सेवाएं दी हैं। सांगानेर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री हंसराज महरवाल सहित अनेक अधिवक्ताओं द्वारा बधाई देते हुए खुशी जाहिर की है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से वरिष्ठ समाज सेवी श्री सोहनलाल अजमेरा को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना।

अजमेर में साधारण सभा व होली स्नेह मिलन समारोह

समाज बन्धुओं ने खेली फूलों से होली

31 मार्च, 2024 को कुमावत (क्षत्रिय) सभा संस्था, अजमेर की साधारण सभा व होली स्नेह मिलन समारोह हनुमान सिंह आर्य तून्दवाल की अध्यक्षता में शांतिपुरा, अजमेर में श्री सत्यनारायण मन्दिर में सायं 4.00 बजे आयोजित किया गया। जिसमें सभी समाज बन्धुओं ने मिलकर होली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम की शुरुआत श्री रामलला एवं श्री हनुमान जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर की गई। तत्पश्चात् सभी समाजजनों द्वारा एक-दूसरे को तिलक लगाकर होली की बधाई व शुभकामनाएं दी। इस दौरान फूलों से होली खेली गई। अध्यक्ष हनुमान सिंह आर्य तून्दवाल व गणमान्य व्यक्तियों एवं कार्यकारिणी के सदस्य द्वारा समाज के उत्थान हेतु विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई तथा समाज हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

इस दौरान शंकर लाल मारोठिया, भजन लाल पालड़ीवाल, ताराचन्द धमोणिया, विसनाराम दम्बीवाल, घनश्याम दुबलदिया, प्रकाश चन्द नागौरा, संतोष किरोड़ीवाल, रामगोपाल मारवाल, संजय आसोला, सुधन आसोला, मोहन लाल सिरस्वा, भागचन्द सिरस्वा, ईश्वर देवड़ा, उगमाराम नेहरा, राजवीर सिंह दम्बीवाल, संतोष बासनीवाल, नेमीचन्द किरोड़ीवाल, हुकमीचन्द किरोड़ीवाल, कृष्ण कुमार बबेरवाल, चिरंजी लाल कारगवाल, राधेश्याम नागा, राजकुमार पालड़ीवाल, गुमान सिंह गैदर, राजीव आर्य तूंदवाल, पूर्ण प्रकाश मारोठिया, टोडरमल घोड़ेला, ब्रज मोहन नराणिया, मन मोहन पारमवाल, राजेन्द्र गैदर एवं अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

इन्दौर में रंगपंचमी का आयोजन व चुनाव

वर्ष 1966 से कुमावत समाज के सम्मानित सदस्यों द्वारा निरन्तर होली मिलन व रगंपंचमी आयोजित किया जाता रहा है। इसी बेला को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी रंगपंचमी मिलन समारोह का 58वां आयोजन 30 मार्च 2024 को बड़ी धूमधाम से कुमावत मांगलिक भवन, 5/16 सविंद नगर, इंदौर में संपन्न हुआ। जिसमें कुमावत समाज के गणमान्य लोगों व सदस्यों ने भाग लिया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। इस प्रकार के आयोजनों से सामाजिक एकता की भावना बढती है तथा नई पीढी का समाज से जुड़ाव होता है।

इस दिन कुमावत समाज की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें संरक्षक श्री दिलीप सिंह वर्मा,अध्यक्ष पद पर श्री रामचंद्र भौरोदिया (बाबूलालजी वर्मा) को सर्वसमिति से नियुक्त किया गया। उपाध्यक्ष श्रीमती सुशीलादेवी कुमावत सचिव प्रहलाद दम्बिवाल, सहसचिव डॉ. चौथमल चेज़ारा कोषाध्यक्ष कुंदनमल जलिन्द्रा, सहकोषाध्यक्ष रामपाल घोडेला को बनाया गया।

सर्वश्री स्वामीदास जलिंद्रा, पृथ्वीराज कारगवाल, सीताराम कारगवाल, सीताराम भौरोदिया, परमानंद तुनवाल , रामदेव सिहोरा, सत्यनारायण कुदाल, ओमप्रकाश हरसहायजी धामोनिया, श्रवण कुमार डंबिवल, बाबुलाल छिछोलिया, महेंद्र मारवाल, श्रीमति बरखा कुमावत को सर्वसमिति से कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया। नई कार्यकारिणी को हार्दिक बधाई।

गणगौर कुमावत समाज महिला मंडल, इंदौर द्वारा आयोजित

गणगौर महोत्सव में गणगौर ईसर को रथ में बैठा कर बड़ी ही धूमधाम से इस साल भी गणगौर बाना 7 मार्च 2024 को तोतला नगर, महादेव मंदिर से आरंभ हो कर महादेव मंदिर पर सम्पन्न किया गया। विगत 13 वर्षों से गणगौर का भव्य चल समारोह गणगौर कुमावत समाज महिला मंडल द्वारा बड़े ही उल्लास ओर धूमधाम से डीजे पर नाचते गाते हुए सम्पन्न किया गया जिसमें समाज की महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर

हिस्सा लिया और सोलह श्रृंगार किया। गणगौर चल समारोह का जगह-जगह पर फूलों की वर्षा कर स्वागत किया गया। नाचती गाती महिलाओं को गर्मी से राहत के लिए शरबत और आइसक्रीम का वितरण समाज की महिलाओं द्वारा किया गया।

गणगौर का स्वागत : उषा कुमावत, उमा कुमावत, बरखा कुमावत, आशा कुमावत, भारती कुमावत, गोपाल कुमावत द्वारा किया गया।

होली स्नेह मिलन समारोह

सामाजिक एकता को बढ़ावा देने पर जोर

चौमूं। शहर के धोली मंडी स्थित शिव मंदिर के पास क्षत्रिय कुमावत समाज एकता संस्थान का होली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया। समाज के लोगों ने एक-दूसरे के संग होली

खेली। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रामलाल शर्मा थे। अध्यक्षता उद्योगपति रामचन्द्र भुरोदिया ने की। संस्थान के अध्यक्ष ओमप्रकाश मामोडिया ने समाज के लोंगों ने समाज के लिए छात्रावास एवं पुस्तकालय स्थापित करने का सुझाव दिया। अतिथियों ने कहा कि समाज के कार्यकर्ता नि:सकोच भाव से कार्य करें। समारोह में जयकिशन सोकिल, पार्षद अनिता कुमावत, महेन्द्र किरोड़ीवाल, राजेन्द्र किरोडीवाल, कृष्ण कारगवाल, गौरीशंकर लोठ्या, जगदीश प्रसाद भोडया, ईश्वरलाल बारावाल, श्रीनारायण बारावाल, रमेश बिवाल, रामेश्वर आईथाण, रामकरण मारवाल, चौथमल कुमावत, गजानन्द रेवाडिया आदि मौजूद रहे।

होली मिलन व युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित

तहसील स्तरीय कुमावत समाज विकास समिति, किशनगढ़-रेनवाल द्वारा होली स्नेह मिलन समारोह व युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें बड़ी संख्या में विवाह योग्य युवक-युवतियों ने पंजीयन कराया। इस अवसर पर समाज के गणमान्य लोगों ने समाज सुधार, सामाजिक उत्थान व राजनीति में सक्रिय भागीदारी पर अपने विचार व्यक्त किये।

श्री क्षत्रिय कुमावत समाज विवाह समिति का 15वां सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न

17 अप्रेल, 2024, रामनवमी को क्षत्रिय कुमावत समाज विवाह समिति का 15वां सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन श्रीश्री1008 श्री राम रिछपाल देवाचार्य जी महाराज, त्रिवेणी धाम के

सानिध्य में एवं श्री नारायण जी दम्बीवाल (खण्डेला) की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

यह सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति अध्यक्ष श्री अशोक मारवाल के निर्देशन में एवं समिति के सभी पदाधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से बड़ी धूमधाम से सम्पन्न हुआ। सम्मेलन के मुख्य अतिथि डॉ. सुनीता बारावाल एवं डॉ. विमल बारावाल रहे। सम्मेलन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हीरालाल बबेरवाल, वयोवृद्ध समाजसेवी रामकुमार मारोठिया, मोहन लाल, सीताराम बासनीवाल, मनफूल ब्याड़वाल, हरिश चन्द, घनश्याम, भवानी शंकर, धनपत, राजेश, बनवारी भूरोदिया, रिडपाल मारोठिया खेरी, गंगाराम खोरी, कालूराम धावलिया, जे.पी. तूंदवाल, रामकिशोर घोड़ेला, राकेश, विश्वनाथ तूदवाल, सूरज, राजू कोलगूरिया, महेश बबेरवाल आदिसभी सामाजिक कार्यकर्ता/समाजसेवी उपस्थित रहे। सम्मेलन का मंच संचालन जगदीश प्रसाद मारोठिया, खोरी (गुरुजी) ने किया।

-अशोक मारवाल

खेडा बालाजी में सामुहिक विवाह

16 मई 2024 को खेडा बालाजी, माधोराजपुरा, फागी में श्री कुमावत क्षत्रिय समाज शैक्षिक विकास समिति, के तत्वाधान में जानकी नवमी को सामुहिक विवाह का आयोजन किया जा रहा है। इसमें दुल्हों का क्लीन शेव होना अनिवार्य रखा गया है।

भाजपा ने संजीव वर्मा को जिला प्रभारी अजमेर देहात नियुक्त किया

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री चंपालाल गेदर ने भाजपा राजस्थान ने ओबीसी मोर्चा के जिला प्रभारियों की सूची जारी की, जिसमें संजीव वर्मा को ओबीसी मोर्चा जिला प्रभारी अजमेर देहात की नवीन जिम्मेदारी प्रदान की गयी। संजीव वर्मा भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता, जिला और प्रदेश मोनिटरिंग समिति के भी सदस्य भी हैं। पार्टी के द्वारा जो भी दायित्व दिया जाता है उसको वो पूरी निष्ठा और इमानदारी से पूरा करते हैं। 2023 के विधानसभा चुनावों मे भी संजीव वर्मा ने सांगानेर विधानसभा में बढ़चढ़ कर भागीदारी निभाई। उन्होंने बताया की ये उनका सौभाग्य है कि वे उस विधानसभा क्षेत्र से आता है जिस से राजस्थान के मुख्यमंत्री हैं और उन्हे गर्व है कि ऐसी पार्टी से जुड़े है जो कार्यकर्ताओं की पार्टी है और अंतिम पंक्ति मे बैठे व्यक्ति को भी बडी जिम्मेदारी दे देती है।

संजीव वर्मा जी लोटस इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं जो की राष्ट्रवादी और सामाजिक संघटन है, लोटस इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट का मिशन बालिका शिक्षा, बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ, महिलाओं का सम्मान और उनकी सुरक्षा के लिए कार्य करना है। साथ ही पर्यावरण सुरक्षा के लिए जागरुकता पैदा करना है। मोदी जी के मिशन लोटस 2024 को संजीव वर्मा अपने पूरे संघटन और समाज के साथ पूरी निष्ठा के साथ पूरा करेंगे।

संजीव वर्मा जी कुमावत समाज मे भी सक्रिय भागीदारी निभाते रहें हैं पूर्व मे संजीव वर्मा राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति के जयपुर के जिला प्रभारी रह चुके हैं और वर्तमान में सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा के युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हैं।

क्षत्रिय कुमावत सेवा समिति के तीसरी बार शंकरलाल मेरावंडिया अध्यक्ष

18 मार्च 2024 को श्री क्षत्रिय कुमावत सेवा समिति, राजसमन्द के तीसरी बार शंकरलाल मेरावंडिया अध्यक्ष बनाये गये। श्री क्षत्रिय कुमावत सेवा समिति, चारभुजा मंदिर, अहमदाबाद के त्रिवार्षिक चुनाव 2024 के चुनाव अधिकारी अर्जुन लाल बाबरिया, शंकरलाल नांदोलिया, गिरिराज खनाडिया, बालुराम खटोड, शांतीलाल ऊंटवाल ने चुनाव सम्पन्न करवाये। इसमें अध्यक्ष- शंकरलाल मेरावंडिया, उपाध्यक्ष- गोवर्धन लाल खटोड, महिला उपाध्यक्ष- श्रीमति सीताबेन घोडेला, महामन्त्री- रेमतलाल मुण्डेल, कोषाध्यक्ष- उदयराम मानणिया, संगठन मंत्री- प्यारेलाल डाबडिया, खेलमंत्री- अम्बालाल पालडिया देवथडी, महिला सांस्कृतिक मंत्री- सीता रेणवाल आरवाडा, सांस्कृतिक मंत्री- धर्मराज नराणिया, पर्यावरण मंत्री- प्रकाश चन्द्र लारणा भानसोल, प्रचार मंत्री- बन्शीलाल ओस्तवाल निर्विरोध निर्वाचित हुए। नवनिर्वाचित अध्यक्ष शंकरलाल मेरावंडिया ने कार्यसमिति विस्तार करते हुए विभिन्न पदों पर पदाधिकारी मनोनीत किये उसमे परामर्शदाता- बालुराम पिलोदिया, युवा अध्यक्ष मांगीलाल साडीवाल पीपली, युवा महामन्त्री रामेश्वर लाल डाबडिया बनाये गये।

चुनाव कमेटी ने सभी पदाधिकारियों को गोपनीयता कि शपथ दिलाई तत्पश्चात सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

बनास का ढावा चोकी की और से कुम-कुम तिलक, साफा व इकलाई पहनाकर स्वागत किया गया।

श्री कुमावत समाज चारभुजा मंदिर सेवा समिति के नवनिर्वाचित युवा अध्यक्ष मांगीलाल साडीवाल बारेजा ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार किया : उपाध्यक्ष- कैलाश सिरोठा, पीरूलाल पिलोदिया, हरफुल सींदड, लक्ष्मण चोरमा, अर्जुन बाबरिया धोईन्दा, महामन्त्री- रमेश डाबरिया, नानालाल झालवाल मोर्रा, संगठन मंत्री- मदन रावरिया भेरुखेडा, रतन मांडेला, लहरीलाल नांदोलिया पीपली, मुकेश सींगनवाल धोईन्दा, किशन कडवाल, कोषाध्यक्ष- नरेश नांदोलिया पीपली, सहायक कोषाध्यक्ष- ओम प्रकाश मेरावंडिया बामणिया, प्रचार मंत्री- गणपत मारोठिया, परामर्श दाता- मुलचंद नाराणिया, राजु बब्बरवाल, श्याम लाल सींगनवाल, जमनालाल सिरोठा, किशन नांदोलिया, बक्शीराम अजमेरा सींगरवा को मनोनीत किया।

समस्त पदाधिकारियों का संस्थापक अध्यक्ष व महामंत्री द्वारा प्रभु श्री चारभुजा जी कि इकलाई पहनकर स्वागत किया गया।

सांयकाल प्रभु श्री चारभुजा जी की महाआरती के साथ ही प्रसादी का आयोजन हुआ।

-गिरिराज कुमावत, राजसमन्द

लोकसभा चुनाव, 2024 सम्बन्धी रोचक जानकारी

- कुल मतदाता-96,88,21,926
- महिला मतदाता-471541888
- पुरुष मतदाता-49,72,31,994
- दिव्यांग मतदाता-88,35449
- 100 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता-2,38,791
- महिला-पुरुष मतदाता अनुपात-49:51

चरण स्पर्श

अपने से बड़ों का अभिवादन करने के लिए चरण छूने की परम्परा सदियों से रही है। भारतीय संस्कृति में अपने से बड़ों के आदर के लिए चरण स्पर्ष के कई लाभ हैं। चरण छूने का मतलब है पूरी श्रद्धा के साथ किसी के आगे नतमस्तक होना, इससे विनम्रता आती है और मन को शांति मिलती है साथ ही चरण छूने वाला दूसरों को भी अपने आचरण से प्रभावित करने में सफल होता है। प्रतिदिन बड़ों के अभिवादन से आयु, विद्या, यश और बल में बढ़ोतरी होती है। माना जाता है कि पैर के अंगूठे से भी शक्ति का संचार होता है हमारे पाँव के अंगूठे में भी ऊर्जा प्रसारित करने की शक्ति होती है। प्रणाम करने का एक लाभ यह है कि इससे हमारा अहंकार कम होता है। इन्हीं कारणों से बड़ों को प्रणाम करने की परम्परा को नियम और संस्कारों का रूप दे दिया गया है। जब हम किसी आदरणीय व्यक्ति के चरण छूते हैं, तो आशीर्वाद के तौर पर उनका हाथ हमारे सिर के ऊपरी भाग को और हमारा हाथ उनके चरण को स्पर्श करता है। इससे उस पूज्य व्यक्ति की पॉजिटिव एनर्जी आशीर्वाद के रूप में हमारे शरीर में प्रवेश करती है। इससे हमारा आध्यात्मिक तथा मानसिक विकास होता है।

वैज्ञानिक पक्ष : न्यूटन के नियम के अनुसार सभी चीजें गुरुत्वाकर्षण के नियम से बंधी है साथ ही गुरुत्व भार सदैव आकर्षित करने वाले की तरफ जाता है। हमारे शरीर पर भी यही नियम लागू होता है सिर को उत्तरी ध्रुव और पैरों को दक्षिणी ध्रुव माना गया है। यानि शरीर में उत्तरी ध्रुव (सिर) से सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश कर दक्षिणी ध्रुव (पैरों) की ओर प्रवाहित होती है अर्थात दक्षिणी ध्रुव पर यह ऊर्जा स्थिर हो जाती है। पैरों की ओर ऊर्जा का केन्द्र बन जाता है-पैरों से हाथों द्वारा इस ऊर्जा के ग्रहण करने को ही हम 'चरण स्पर्श' कहते हैं।

मानव शरीर पंच तत्वों से निर्मित है जो सजातीय तत्वों को अपनी ओर आकर्षित करता रहता है- मित्रता, स्नेह, ममता व प्रेम इसी आकर्षण की उपज है। यह आकर्षण या खिंचाव एक चुम्बकीय गुण है।

हम अगर चिन्तन मनन करें तो प्रतिदिन हम अनेक लोगों से मिलते हैं। उनमें से कुछ को हम याद नहीं रखते और कुछ के साथ मित्रता का भाव प्रकट हो जाता है और उनसे ये लगाव, मित्रता या खिंचाव उस व्यक्ति में समाहित गुण के कारण होता है जो सजातीय गुण वाले व्यक्ति को अपनी ओर आकर्षित करता है। आपके शरीर की ऊर्जा चरण स्पर्श करने वाले व्यक्ति में पहुंचती है। इससे जिन उद्देश्यों को मन में रखकर आप बड़ों को प्रणाम करते हैं उस लक्ष्य को पाने का बल मिलता है।

पैर छुना या प्रणाम करना, केवल एक परम्परा या बंधन नहीं है। यह एक विज्ञान है जो हमारे शारीरिक, मानसिक और वैचारिक विकास से जुड़ा है। पैर छुने से केवल बड़ों का आशीर्वाद ही नहीं मिलता बल्कि अनजाने ही कई बातें हमारे अंदर उतर जाती है। पैर छुने का सबसे बड़ा फायदा शारीरिक कसरत होती है। तीन तरह से पैर छुए जाते हैं : पहले झुकर पैरा छुना, दूसरा घुटने के बल बैठकर तथा तीसरा साष्टांग प्रणाम। झुककर पैद छुने से कमर और रीढ़ की हड्डी को आराम मिलता है। इससे स्ट्रेस दूर होता है जो हमारे स्वास्थ्य और आंखों के लिए लाभप्रद होता है। प्रणाम करने का तीसरा बड़ा फायदा यह भी है कि इससे हमारा अहंकार कम होता है, किसी के पैर छुना यानी उसके प्रति समर्पण भाव जगाना, जब मन में समर्पण का भाव आता है तो अहंकार स्वत: ही खत्म होता है। इसलिए बड़ों को प्रणाम करने की परम्परा को नियम और संस्कार का रूप दे दिया गया।

प्रत्येक दिन प्रात:काल में और किसी भी कार्य की शुरुआत से पहले हमें अपने घर के बड़े बुजुर्गों के माता-पिता के चरण-स्पर्श अवश्य करने चाहिए। इससे हमारे कार्य में सफलता की सम्भावना बढ़ जाती है, हमारा मनोबल बढ़ता है और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। नकारात्मकता घटती है।

चरण स्पर्श बुजुर्गों के, हम कहना भूल गए।
समझदार ऐसे से हुए, समझना भूल गए।
संघर्ष में हम लगे रहे, संस्कार छोड़कर।
अहम-वहम में संस्कृति का, सम्मान करना भूल गए।
जय श्री राम राधे-राधे...

- सीमा राज कुमावत (मारवाल)

श्री कुमावत समाज संस्थान पुलां, उदयपुर के चुनाव

26 मार्च 2024 को श्री कुमावत समाज संस्थान, पुलां, उदयपुर की वार्षिक बैठक पुलां कुमावत भवन पर आयोजित हुई। जिसमें वर्ष का आय-व्यय का ब्यौरा कोषाध्यक्ष श्री रामचन्द्र कुमावत (गोठवाल) द्वारा प्रस्तुत किया गया। संस्थान द्वारा समाजहित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये। बैठक में संस्थान की पूर्व कार्यकारणी को भंग किया गया। साथ ही समाज के वरिष्ठ श्री किशन झालवार की अध्यक्षता में संस्थान के चुनाव हुए उसमें कार्यकारणी का सर्वसम्मति से निर्विरोध निर्वाचित निम्न प्रकार हुआ। जिसमें अध्यक्ष- रमेश चन्द्र भदानिया, उपाध्यक्ष- भगवती लाल धनारिया, महामन्त्री- कन्हैयालाल ईठारा, मंत्री- दयाशंकर रावड़िया, कोषाध्यक्ष- नीलकंठ गोठवाल, संगठन मंत्री- दिनेश झालवार तथा प्रचार-प्रसार मंत्री- वीरेन्द्र गोठवाल निर्विरोध निर्वाचित हुए।

ईश्वर का साक्षात दर्शन ''माँ''

जीवन में सबसे अधिक शीतल, निर्मल, कोमल, मधुर, ऊर्जावान, प्यारा और स्नेहित ममतामयी शब्द यदि कोई है तो वह **'माँ'** है। तमाम उम्र हम जिस ईश्वर की स्तुति करते हैं, जिस आभास को हम अपनी भक्ति में निराकार भाव में सदैव अपने आसपास एक शक्ति स्वरूप अनुभव करते हैं कि ईश्वर यही कहीं है और हमसे जुड़े है, हमारे भक्ति भाव को देख रहे हैं और सुन रहे हैं उस ईश्वर का ही साकार स्वरूप है 'माँ'। जब कभी हमारे सम्मुख यह प्रश्न आता है कि सृष्टि के रचियता कौन है तो निश्चित ही हमारा उत्तर होता है **परमपिता परमेश्वर**। परन्तु सत्यता यह है कि उनसे भी बड़ी एक शक्ति है और वह है **'माँ'** क्योंकि ईश्वर भी किसी भी प्राणी को, कीट-पतंगे, पशु-पक्षी यहां तक कि पेड़-पौधे-वनस्पति को भी पृथ्वी पर जीवन नहीं दे सकते जब तक कि मातृत्व की शक्ति की कृपा ना हो। धरती पर अपने अस्तित्व को पाने के लिऐ माँ की कोख तो हर आत्मा को चाहिए। 'माँ' को मनुष्य समझना मनुष्य की सबसे बड़ी नादानी है। यदि आप कभी मनुष्य की शारीरिक संरचना के विषय में गौर से सोचेंगे तो स्वयं महसूस करेंगे कि यह एक चमत्कार ही है कि गर्भ में ऐसी अलौकिक रचना का निर्माण स्वयं होता है जो विज्ञान और आविष्कार के जगत में कभी संभव नहीं है। हमारी कोमल आँखों पर बनी पलकें, हमारी अंगुलियां जो पास-पास होकर भी जुड़ी नहीं, गर्भ में मुड़े रहने के बावजूद हाथों और पैर का जन्म के साथ ही सीधा हो जाना, हमारे होठों का अलग-अलग होना और ऐसी ही हजारों विशेषताएं, विधि के विधान का सबसे बड़ा अजूबा जिसके सम्मुख देवता भी नतमस्तक है। 'माँ' में सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड समाया है। मगर इस शक्ति की वास्तविकता से अन्जान अज्ञानी पीढ़ी ने आज माता के प्रति अपने स्नेह, प्रेम और भावना को भी दिखावा बना दिया है। हमारे देश में पाश्चात्य शैली का इतना दबाव हो गया है कि हम अन्य रिश्तों की तरह माता और पुत्र या पुत्री के रिश्ते को भी दिखावे और मनोरंजन की सामग्री समझने लगे हैं। मातृत्व दिवस हमारी संस्कृति की पहचान नहीं है। यह विदेशों में होने वाला ढकोसला है। हम तो उस संस्कृति से जुड़े हैं जहां जीवन का हर पल, हर खुशी, हर गम माता-पिता को समर्पित होता है। क्या एक दिन माँ को सम्मान देने से या उनके प्रति प्रेम दर्शाने से हमारा दायित्व पूरा हो सकता है? माता के वात्सल्य का भार उतारने के लिए तो पूरे जीवन की सेवा भी कम है। मगर आज सेवा तो दूर बच्चे माता-पिता को अपने परिवार में शामिल रखने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। आज का वातावरण बहुत ही विकृत हो गया है। लोगों की मानसिकता माता-पिता के विषय में गिरती जा रही है। बहुत दु:ख होता है यह देखकर कि महीनों से बच्चों ने अपने माता-पिता से बात तक नहीं की है और स्टेट्स पर मातृ प्रेम का सैलाब उमड़ा हुआ है। कोई भी माता यह दिखावा नहीं चाहती वो चाहती है कि उसकी संतान पल-दो-पल उसके पास बैठे, उसकी सुने, अपनी कहे। संतान कितनी भी बड़ी क्यों ना हो जाए परन्तु माता का मन उसे पुचकारना, दुलारना और ममता से निहारना चाहता है इसलिए न सिर्फ मातृत्व दिवस पर बल्कि प्रत्येक दिन अपनी माता को कुछ और दें ना दें कुछ समय अवश्य दें। माँ के मन में आपके प्रति वात्सल्य का जो अथाह भंडार है वो आपकी सम्पत्ति है, उस सम्पत्ति को प्राप्त करने की लालसा में कभी कमी ना आने दें। जिसके पास माता-पिता का आशीर्वाद है वो विश्व का सर्वाधिक शक्तिशाली व धनवान व्यक्ति हैं। प्रभु के इस मूर्त रूप पर अपना प्रेम धन लुटा कर तो देखिये तरक्की के सारे रास्ते आपके लिए स्वत: खुल जाएंगे।

- उर्वशी बालोदिया

वृद्धि, उन्नति व सफलता बनाम **लक्ष्मी**

वृद्धि (Growth), उन्नति (Progress), सफलता (Success) तीनों मिलते-जुलते शब्द है तथा सामान्य बोलचाल की भाषा में एक दूसरे को पर्यायवाची शब्द ही हम समझते हैं।

परन्तु भारतीय दर्शन के अनुसार किसी की वृद्धि (Growth) पूर्णतया नास्तिक भी हो सकती है । यानि हमने जीवन में येन केन प्रकारेण धन कमाया है, तो हमारे पास लक्ष्मी तो आई है, वह ऋग्वेद के श्रीसूक्तम के 8वें सूक्त के अनुसार उल्लू पर सवार होकर ज्येष्ठा लक्ष्मी आई है। चूंकि लक्ष्मी चंचला है, अत: वापस जाना निश्चित है और जब जायेगी तो ऐसी लक्ष्मी धारण करने वाले को उल्लू के गुण देकर जायेगी।

यदि किसी ने वृद्धि (Growth) जीवन में अनुशासन रखते हुए कुछ नियमों को मानते हुए की है, तो वृद्धि उसकी उन्नति (Progress) कहलाती है। यह उन्नति सामाजिक दृष्टि से तो ठीक है परन्तु इसके तहत आई लक्ष्मी, ज्येष्ठा लक्ष्मी की श्रेणी में आती है।

अत: इस प्रकार की गई उन्नति से प्राप्त धन से सामाजिक दृष्टि से तो संतुष्टि मिल सकती है, पर आंतरिक शांति मिलना मुश्किल है। यदि किसी ने उन्नति (Progress) अपने जीवन में पूर्णतया आध्यात्मिकता को अपनाते हुए की है, तो ही इस उन्नति को सफलता (Success) कह सकते है। अनुशासन, ईमानदारी एवम् आध्यात्मिकता के साथ आई लक्ष्मी ही ऋग्वेद के श्रीसूक्तम् के 7वें सूक्त के अनुसार श्री लक्ष्मी है, जो भगवान श्रीनारायण के साथ गरूड़ पर सवार होकर आती है। इस लक्ष्मी के संपर्क में रहने वाले गुणों का भंडार होते हैं। ऐसी लक्ष्मी की जिसने भी उपासना कर प्राप्त की है, वे ही वास्तव सफल व्यक्ति माने जाते हैं।

- एस.आर. सिंघाटिया

जीवन में आनन्द

सद्ग्रन्थों एवं संत-महात्माओं का कहना है कि जीवन का आनन्द किसी वस्तु या परिस्थिति में नहीं बल्कि जीने वाले के दृष्टिकोण में है। स्वयं अपने आप में है। क्या हमको मिला है, उसमें नहीं, अपितु कैसे हम उसे अनुभव करते हैं ? किस तरह उसे लेते हैं, उसमें है। यही कारण है कि एक ही वस्तु या परिस्थिति दो भिन्न दृष्टिकोण के व्यक्तियों के लिये अलग-टलग अर्थ रखती है। एक को उसमें आनन्द की अनुभूति होती है, दूसरे को विषाद की। इस संबंध में एक बोधकथा उल्लेखनीय है-

दक्षिणेश्वर के मन्दिर विस्तार के समय तीन श्रमिक भरी धूप में बैठे पत्थर तोड़ रहे थे। उधर से गुजर रहे श्री परमहंस देव ने उससे पूछा—'क्या कर रहे हो ?' एक बोला-''**अरे भाई पत्थर तोड़ रहा हूँ।**'' उसके कथन में दु:ख था और बोझ था। भला पत्थर तोड़ना आनन्द-खुशी की बात कैसे हो सकती है ? यह उत्तर देकर वह फिर बुझे मन से पत्थर तोड़ने लगा। आगे चलकर फिर परमहंसदेव ने दूसरे श्रमिक से वही प्रश्न पूछा तो वह बोला-''**बाबा! यह तो रोटी-रोजी है, मैं तो बस अपनी आजीविका कमा रहा हूँ।**'' उसने जो कहा, वह भी ठीक बात थी। वह पहले मजदूर जितना दु:खी तो नहीं था, लेकिन आनन्द की कोई झलक उसकी आँखों में नहीं थी। बात भी सही है, आजीविका कमाना भी एक काम है। उसमें आनंद की अनुभूति कैसे हो सकती है ?

आगे फिर परमहंस देव ने तीसरे श्रमिक से वही प्रश्न पूछा, वह हाथों से पत्थर तोड़ रहा था, पर उसके होठों पर गीत के स्वर फूट रहे थे-'**मन भज लो आभार काली** पद नीलू कमलों। उसने गीत को रोककर परमहंस देव को उत्तर दिया-'**बाबा मैं तो माँ का घर बना रहा हूँ**' उसकी आँखों में थी, हृदय में जगदम्बा के प्रति भक्ति हिलोरे ले रही थी। निश्चित ही माँ का मन्दिर बनाने से बढ़कर आनन्द भला और क्या हो सकता है।

इन तीनों श्रमिकों की बात सुनकर परमहंस देव भाव समाधि में डूब गये। सचमुच जीवन तो वही है, पर दृष्टिकोण भिन्न होने से सब कुछ बदल जाता है। दृष्टिकोण के भेद फूल काँटे हो जाते हैं और काँटे फूल हो जाते हैं। आनंद अनुभव करने का दृष्टिकोण जिसने पा लिया, उसके जीवन में आनन्द के सिवा और कुछ नहीं रहता।

- प्रो. बी.के. कुमावत, उज्जैन

समाज में परिवर्तन लायें

आजकल रिश्ते ढूढ़ना काफी मुश्किल हो रहा है। पढ़े-लिखे व नौकरीशुदा लड़के-लड़कियां भी इससे अछूते नहीं हैं। समय रहते बच्चों के रिश्ते हो जायें तो इससे अच्छा क्या हो सकता है?

नई पीढ़ी के विवाह संबंधी कुछ सुझाव यहां दिये जा रहे हैं:

- सिर्फ बायोडाटा देखकर रिश्ते नहीं बनते। संवाद की पहल करें।
- किसी के फोन की राह न देखें, स्वयं कॉल करें।
- मंगल कभी अमंगल नहीं होता, विवाह शुभ कार्य हैं।
- आपकी कन्या स्टार हैं, तो उनका पुत्र सुपरस्टार हैं।
- 90 प्रतिशत लोग हमारे जैसे ही हैं, सर्वगुण संपन्न कोई नहीं होता।
- विवाह योग्य उम्र में ही विवाह करें, समय थमता नहीं. उम्र बढना ठीक नहीं हैं अच्छा, और अच्छा के चक्कर में ना उलझें। बच्चों की लाईफ सेट करनी हैं, कोई गॅजेट नहीं खरीदना।
- जो हमें सूट करें, उन्हीं से संपर्क करें। जिनकी उम्मीदें अधिक हो, उनके लिये अपना अमूल्य समय बर्बाद न करें। याद रहें, अगर आप उम्मीदों पर खरें उतरते हों, तो वे स्वयं ही आपसे संपर्क करेंगे।
- रंग-रूप से अधिक गुणों पर ध्यान दें। प्रत्येक व्यक्ति में कुछ खामियां होती ही है। उसके लिये आगे चल के एडजस्टमेंट कर सकते है।
- आपको कॉल करने वाले सज्जनों का सम्मान करें। यदि आपको रिश्ता पसंद न हो, तो योग्य कारण देकर नकारें। यह सोचें कि आप जिस रिश्ते की तलाश में हो, शायद वह उनके किसी संबंधी में से हो सकता हैं।
- अगर आप लडके वाले हो और किसी कन्या का बायोडेटा आपको अनुरूप लगे, तो खुद आगे बढकर संपर्क करें।
- अमिताभ बच्चन से जया की ऊंचाई 12 इंच कम हैं, सचिन तेंदुलकर से अंजली तीन साल से बडी हैं और ऐश्वर्या मांगलिक थी जबकि अभिषेक बच्चन मांगलिक नही थे।
- दुनियां मे कोई भी मिस्टर/मिस पर्फेक्ट नहीं होता। दुसरों के दोष ढुंढने से बेहत्तर है, अपनी खामियां परखे।
- मन सोची होती नहीं, प्रभु सोची तत्काल।
  बली मांगत आकाश को प्रभु दीन्हा पाताल....!
- ध्यान रहे, समय निकल जाने के बाद पश्चाताप करने से कोई फायदा नहीं होगा। इसलिए अधिक अच्छे रिश्ते के चक्कर में न पडकर सही उम्र में बच्चों का रिश्ता करना ही उचित रहेगा।

रामनवमी पर महिलाओं की भव्य कलशयात्रा

रामनवमी एवं सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा के स्थापना दिवस के उपलक्ष में झोटवाड़ा, जयपुर में सैकड़ों महिलाओं द्वारा कलशयात्रा निकाली गई। महासभा की विद्याधर नगर ईकाई द्वारा शिल्प कॉलोनी तेजाजी मन्दिर से सैकड़ों महिलाएं कलशयात्रा में सम्मिलित हुईं। कलशयात्रा का शुभारम्भ प्रात: 8.00 बजे जयपुर नगर निगम ग्रेटर की महापौर श्रीमती सौम्या गुर्जर एवं महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामेश्वर बम्बोरिया द्वारा किया गया। कलशयात्रा झोटवाडा के विभिन्न मार्गों से होती हुई दादूद्वारा बगीची, कुमावत कालोनी झोटवाड़ा में पहुंची। कलश यात्रा का समापन महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री रूप सिंह कारगवाल, विमल कुमावत एवं क्षेत्रिय पार्षद सुमेर सिंह जोधा द्वारा किया गया।

समापन के बाद कुमावत समाज की एक भव्य मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष रामेश्वर बम्बोरिया ने रामनवमी की शुभकामनाएँ देते हुए कुमावत समाज की महिलाओं को राजनीति एवं समाज में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। कुमावत समाज के पुराने रीति-रिवाजों को जीवित रखते हुए समाज में कलशयात्राएँ, शोभायात्राएँ आदि का आयोजन रामनवमी के शुभ अवसर पर करना चाहिए। इसके बाद महामंत्री रूपसिंह कारगवाल ने सबका अभिनन्दन किया एवं संस्था के स्थापना दिवस व इष्ट देवता श्रीराम के जन्मोत्सव (रामनवमी) की शुभकामनाएं दी तथा सबका आभार व्यक्त किया। मीटिंग में जयपुर शहर के पूर्व उपमहापौर विमल कुमावत, विद्याधर नगर ईकाई अध्यक्ष सत्यनारायण मारवाल, चिरंजीलाल नागा कार्यक्रम संयोजक घनश्याम बैरा, जीवराज सिरोहिया, मनीष बगरानिया, मनोहर नरानिया, श्रीमती रजनी सिरोहिया, ज्योति नरानिया, बब्बू माचीवाल, गोपाल सिरोहिया, मुन्नालाल बगरानिया एवं सैकड़ों की तादाद में समाज की महिलाओं एवं पुरूषों ने भाग लिया।

सारथी सहायता समूह कुमावत समाज की अयोध्याधाम यात्रा

छ: दिवसीय अयोध्याधाम यात्रा सांई ग्रीन वाटिका आर के सर्कल पुलां से अयोध्या प्रस्थान किया।

5 अप्रैल 2024 को कुमावत समाज के 250 समाज बंधुओं को पांच बसों द्वारा अयोध्या यात्रा के लिए ज्योति शिक्षण संस्थान के संस्थापक श्री जी एल कुमावत ने भगवा झंडा फहराकर रवाना किया। साथ ही सैंकड़ो समाजजनों ने पहुंच कर यात्रा मंगलमयी हो इसके लिए शुभकामनाएं दी ।

ज्यूरिस कप: हैंडीकैप कैटेगरी में मनीष बने विजेता

रामबाग गोल्फ क्लब में ज्यूरिस कप 2024 गोल्फ टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इसमें सुप्रीम कोर्ट एवं विभिन्न हाई कोर्ट के जजेज तथा एडवोकेट्स सहित कुल 140 गोल्फर्स ने हिस्सा लिया। जिसमें राजस्थान हाई कोर्ट के मनीष कुमावत एडवोकेट ने 13 से 18 हैंडीकैप कैटेगरी में विजेता घोषित किए गए। राकेश कुमार जयपुर के बेस्ट खिलाड़ी घोषित हुए तथा विजय चौधरी ने स्टेटस ड्राइव का खिताब अपने नाम किया। विजेताओं को राजस्थान हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव एवं पंजाब, हरियाणा के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सन्दावालीया ने विजेताओं को परितोषित दिए। कार्यक्रम में न्यायधीश पंकज भंडारी एवं न्यायाधीश अशोक जैन भी उपस्थित रहे।

आपका स्वास्थ्य

गर्मी में बच्चों का रखे ध्यान

हाल ही में मौसम वेज्ञानिकों ने इस वर्ष अप्रेल से जून माह तक भीषण गर्मी पड़ने की सम्भावना बताई है। ऐसे में हमें विशेष सावधानी बरतनी होगी। इस मौसम में गर्मी से लू लगना, डिहाइड्रेशन, डायरिया तथा बुखार होने की आशंका रहती है तथा बच्चे इसकी चपेट में जल्दी आ जाते हैं। क्योंकि बच्चे खेल में इतने मशगूल हो जाते हैं कि पानी पीने का उन्हें ध्यान ही नहीं आता। फिर ऐसे में पसीना आने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है। इससे मुँह सूखना, कमजोरी, चिड़चिड़ापन जैसी समस्याएं आती हैं। गर्मी में घर के बाहर के खाद्य पदार्थ जैसे बर्फ का गोला, कुल्फी, आईसक्रीम, फास्टफूड, गोलगप्पे, फलुदा से बेक्टिरियल इन्फेक्शन भी हो सकता है। अत: इनका सेवन नहीं करने दें तथा घर में बनी वस्तुएं ही खाएं।

हीट स्ट्रॉक से बचाव: घर से बाहर निकलें तो पानी पीकर तथा छाता लेकर जायें। बच्चों को दोपहर में तेज धूप में बाहर नहीं जाने दें। शरीर में पानी की कमी न हो इसके लिए मटके का शीतल जल, नींबू पानी, छाछ, नारियल पानी, ठण्डाई, शरबत जैसी वस्तुओं का सेवन करायें। सब्जियों में लोकी, तरोई, टिण्डे, खीरा, जैसी सब्जियां खाये, रसदार फल जैसी संतरा, मैसमी, अंगूर, पाइनेपल, लीची, कीवी, चीकू आदि का सेवन भी इन दिनों सेहत के लिए अच्छा होता है। पर सबसे जरूरी है पानी पीने का ध्यान रखना।

हमारे लोकतांत्रिक मूल्य

हमारे देश के संविधान निर्माताओं ने कई देशों की शासन प्रणालियों का अध्ययन कर उन सब संविधानों की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं की अच्छाइयों का समावेश कर सबसे सशक्त लोकतांत्रिक व्यवस्था को हमारे संविधान में उतारा था। सबसे ज्यादा खुशी की बात यह रही की तात्कालीन परिस्थितियों में कुछ देशों में महिलाओं को वोट डालने का हक नहीं था किंतु भारत में ये लिंगभेद नहीं किया गया।

देश में सरकारों का चुनाव जनता द्वारा व जनता के हित के लिए किया जाना निश्चित हुआ ताकि स्थानीय सरकार से लेकर विधानसभा व संसद तक जनता की आवाज पहुंचाई जा सके। इस प्रणाली में एक सुखद तथ्य यह था कि व्यवस्थापिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका एक-दूसरे पर हस्तक्षेप न करते हुए स्वतंत्र रूप से कार्य करेंगी व चौथा स्तंभ मीडिया भी स्वतंत्र रूप से अपने कर्त्तव्यों को जनतंत्र की आवाज बनाकर कार्य करेगा।

इन सबके साथ जनता को भी अपने कर्तव्यों व अधिकारों के साथ जीने की आजादी प्रदान की गई। समय व परिस्थितियों के अनुसार लचीले संविधान में संशोधन किए जाते रहे जो बहुत जरूरी थे जिन्हें जनता द्वारा चुने गये प्रतिनिधियों का बहुमत प्राप्त होता रहा। हमारी विदेश नीति को भी सरकारों के साथ-साथ नये-नये मुखौटे लगते रहे। मूलरूप से भारत गुटनिरपेक्ष शब्द के साथ खड़ा रहा, धर्म निरपेक्षता भी हमारी संस्कृति की एक अमिट पहचान रही है।

संसद में होने वाली बहस बहुत मर्यादित होती थी और पक्ष-विपक्ष भी वैचारिक मतभेद व सिद्धांतों के भेद लिए होते थे किंतु संयम बरतना एक आदत सी थी।

समय के साथ-साथ शक्तिशाली राजनेताओं ने अपनी शक्तियों का इस्तेमाल सख्ती से किया तो उन्हें मुँह की भी खानी पड़ी। जिस तरह हमारे नैतिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है ठीक उसी तरह पूर्ण बहुमत प्राप्त सरकारें भी अपनी संवैधानिक गरिमा का ह्रास करती हुई नजर आ रही हैं। हमारी मूलभूत लोकतांत्रिक पहचान रखने वाली चुनाव प्रणाली पर सवालिया निशान लग चुका है। अभी हाल ही में संयुक्त राष्ट्र संघ ने इस पर टिप्पणी भी की है। ईवीएम मशीनें संशय के घेरे में है। विधायकों की खरीद फरोख्त एक आवश्यकता बन गई है, दल बदल नेता अब अपने बचाव के लिए बिक रहे हैं।

दल-बदलना एक परिपाटी सी बन गई है चाहे पार्टी कोई सी भी हो। सभी पार्टियों में केवल जीताऊ प्रत्याशी की तलाश रहती है चाहे उनका इतिहास कैसा भी रहा हो।

चुनाव से ठीक पूर्व में सभी पार्टियां एक-दूसरे के खिलाफ सोशल मीडिया पर प्रत्याशियों द्वारा दिये गये बयानों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने लगी हैं। आम लोगों को भ्रमित करने वाले विज्ञापन जारी करना ये सभी पार्टियों की आदत बन गई है।

उपरोक्त सभी बातें ये इंगित करती है कि सभी वोटर्स को अब अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए अपने बहुमूल्य वोट को सोच समझकर देना चाहिए ताकि देश के विकास में सही मायने में भागीदारी हो सके।

- भारती कुमावत

अद्‌भुत अन्तर्जगत

उच्च कोटि के योगी औन साधक ही अन्तर्जगत के रहस्य को समझते हैं। उस अद्‌भुत चमत्कारिक तथा रहस्यमय जगत में बिरले योगी ही पहुंच पाते हैं। उनके अनुभवगम्य शब्दों से कि कैसे अवर्णनीय आनन्द उन्हें प्राप्त होता है कैसे अकल्पनीय अनुभव होते है, हम थोड़ा बहुत जान सकते हैं। जगत में तीन प्रकार के यमित है:-

(1) वो व्यक्ति जो बाहय जगत में वाहय क्रियाएँ करते हैं। इहलोक-परलोक, पूर्वजन्म-पुनर्जन्म, पाप-पुण्य, आत्मा- परमात्मा में विश्वास न करने वाले व्यक्ति। ऐसे व्यक्ति जीवन पर्यन्त केवल मानव इन्द्रियों की सन्तुष्टि में ही लगे रहते हैं। ऐसे व्यक्ति कर्मों से जकड़ी हुई आत्मा को बन्धनमुक्त नहीं करा पाते और सदा ही जन्म-मरण में पड़े रहते है।

दूसरे प्रकार के व्यक्ति एसे होते हैं जो पापों से डरते है नरक में व कुगति में जाने से बचने का प्रयत्न करते है। उनके कर्म कलाप भी बाह्य क्रियाओं तक ही सीमित रहते है। वे दान पुण्य करते हैं, देवस्थानों में जाकर भगवान के दर्शन करते हैं। पूजा, पाठ, भजन, कीर्तन करते हैं। व्रत-उपवास, करते है। दुष्कर्मों से बचते हुए शुभ कर्म करने के प्रयत्न में लगे रहते हैं। ऐस व्यक्ति भी अन्तरजगत के अद्भुत रहस्यों का, शरीर के अन्दर होने वाली चमत्कारिक क्रियाओं को नहीं जान पाते और उस अकल्पनीय आनन्द से वंचित ही रहते है।

तृतीय प्रकार के व्यक्ति बहुत दुर्लभ पाये जाते हैं, उनके अनुभव ऐसे निराले होते है, जिन्हें हम देख कर नहीं जान सकते, केवल उनके कथन से कुछ समझते हैं, पर अनुभव नहीं कर पाते। इसके लिए एक कहावत भी है, गुड़ का स्वाद खाने वाला ही, जान सकता है, सुनने वाला नहीं।

किसी भी देश के मनुष्यों की विद्या और बुद्धि ने मानव के अन्तस्तल में स्थित उस दिव्य और ज्योतिर्मय संसार का पता नहीं पाया। केवल भारत के योगी, ऋषि, मुनि, आध्यात्म-ज्ञान वेता तथा शक्ति-साधना-सिद्ध तांत्रिको ने ही अपनी अर्न्तवृष्टि से इसका अनुभव किया है।

-मनोहरलाल वर्मा

विवाह समारोह और अन्न की बर्बादी

विवाह दो आत्माओं का मिलन, अग्नि को साक्षी मानकर जीवन भर साथ रहने का फैसला। इस पुण्य कार्य के सहभागी और साक्षी बनते वर-वधु और उनके रिश्तेदार, मित्र और अन्य परिचित। बस!! विवाह समारोह की प्रारंभिक बुनियाद इसी ढांचे पर टिकी हुई थी। अब इसमें बारात आएगी तो उनके खाने पीने का बंदोबस्त भी शामिल किया गया। पहले के समय में मांडा (कन्या पक्ष) वाले (स्वेच्छा से) जीमते नहीं थे सिर्फ बारात का ही स्वागत सत्कार ही किया जाता था। शायद गांव में आर्थिक स्थिति इतनी सुदृढ़ भी नहीं होती थी कि मांडा और बारात दोनों के जीमने की व्यवस्था की जाए। भोजन में भी ज्यादा तामझाम नहीं होते थे। लड्डू, भुजिए, पूडी आलू की सब्जी। कोई ज्यादा पैसे वाला होता था तो साथ में घोल (रायता) भी रख दिया जाता था। इसी में बड़े आराम से कन्या विदा होकर अपने ससुराल चले जाया करती थी। फिर धीरे-धीरे क्रय शक्ति बढ़ने लगी तो जीमने में लड्डू का स्थान गुलाब जामुन और काजू की कतली ने ले लिया। भुजिए की जगह कचोरी परोसे जाने लगी। कन्या अभी भी सकुशल विदा होकर ससुराल जा ही रही थी। लड्डू की जगह गुलाब जामुन होने से कन्या की विदाई और विवाह के संस्कारों में कोई परिवर्तन नहीं आया। कहने का अर्थ है कि भोजन का विवाह संस्कारों से कोई सीधा-सीधा संबंध नहीं था। अब आया 2010 के बाद का समय, लोग अचानक अमीर होने लगे। शायद दूसरी पीढ़ी को पहली पीढ़ी की मेहनत का और धन संपदा का लाभ मिलने लगा। और विवाह समारोह में मिष्ठानों की बाढ़ सी आ गई। 16 से ज्यादा मिठाइयां, 15 से ज्यादा सब्जियां, आठ प्रकार की रोटी, अनेकों प्रकार के स्टॉल, बाजरे की खिचड़ी से लेकर पिज्जा, पास्ता तक सब एक ही रात के भोजन में परोसा जाने लगा। एक दशक से विवाह में भोजन के माध्यम से दिखावा करने की जो होड़ शुरू हुई, वह आज भी बदस्तूर जारी है। जितना ज्यादा अमीर, उतने ही ज्यादा भोजन में पकवान और उतनी ही ज्यादा भोजन की बर्बादी! जी, हाँ ! मैं आप सब का ध्यान विवाह समारोह में होने वाली भोजन की बर्बादी की ओर आकर्षित करना चाहती हूं। **कुमावत समाज भी आजकल दूसरे समाजों की देखा-देखी शादियों में व्यंजनों की पूरी दुकान सजाने में लगा हुआ है।** यह बड़ी चिंता का विषय है। पैसे वालों के लिए यह जहाँ दिखावे का तरीका बन चुका है, वही गरीब को मजबूरी में स्टालों की संख्या बढ़ानी पड़ रही है। हम एक अजीब सी प्रतिस्पर्धा आजकल विवाह समारोह में देख रहे हैं और इस सब का नतीजा निकलता है मूल्यवान अन्न की बर्बादी। भोजन की समस्या आज सिर्फ हमारे समाज की समस्या न बनकर पूरे विश्व की समस्या बन चुका है।

विश्व खाद्य संगठन के मुताबिक भारत में हर साल 50 हज़ार करोड रुपए का भोजन बर्बाद चला जाता है। जो कि देश के खाद्य उत्पादन का 40 फ़ीसदी है। शादी-ब्याह के आयोजनों के साथ ही होटल रेस्टोरेंट आदि में सैंकड़ों टन भोजन बर्बाद हो रहा है। औसतन हर भारतीय एक साल में 6 से 11 किलो अन्न बर्बाद करता है। विश्व खाद्य संगठन के अनुसार दुनिया का हर सातवां व्यक्ति भूखा सोता है।

गरीब का बच्चा तरसता है।
जिसे पाने को अमीर फेंक देते हैं
बिना सोचे समझे इस खाने को..!!

अब तो मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भी देशवासियों को भोजन की बर्बादी के प्रति आगाह किया है। अभी तो आलम ये है कि एक-एक शादियों में 100- 200 आइटम परोसे जाते हैं। खाने वाले व्यक्ति के पेट की भी एक सीमा होती है, लेकिन हर तरह के नए-नए पकवान एवं व्यंजन चख लेने की चाह में खाने की बर्बादी ही देखने को मिलती है। इसी प्रकार होटल-रेस्टोरेंट में भी बहुत अधिक मात्रा में झूठा भोजन छोड़ दिया जाता है। भारतीय संस्कृति में जूठन छोड़ना पाप माना गया है साथ ही यहां तो अन्न को देवता का दर्जा प्राप्त है। लेकिन तथाकथित धनाढ्य मानसिकता के लोग अपनी परंपरा संस्कृति को भूलकर अन्न की बर्बादी द्वारा पाप के भागीदार बन रहे हैं। हमारे कुमावत समाज में भी विवाह समारोह में आधी प्लेट से भी ज्यादा भरा हुआ जूठा भोजन डस्टबिन में बहुतायत से देखा जा सकता है। इस दिशा में हमें कुछ ठोस कदम उठाने होंगे:-

1. स्व-अनुशासन और संयम के गुणों को अपनाकर प्रत्येक व्यक्ति को सर्वप्रथम खुद में संयम लाना होगा।

2. विवाह में परोसे जाने वाले व्यंजनों की संख्या निश्चित की जाए। समाज के सभी लोगों द्वारा उसकी अनुपालन की जाए ।

3. विवाह में मेहमानों की निश्चित संख्या और बनने वाले भोजन की मात्रा के अनुपात का भी भली-भांति अध्ययन कर ही भोजन बनवाया जाए।

4. शादी के भोजन को प्रतिष्ठा का प्रश्न या दिखावे का माध्यम नहीं माना जाए। प्रतिष्ठित होने का मापदंड विवाह समारोह में कम से कम हुई अन्न की बर्बादी द्वारा तय किया जाए। जिसके विवाह समारोह में जितनी कम अन्न की बर्बादी वह उतना ही समाज का प्रतिष्ठित व्यक्ति।

5. विवाह समारोह के उपरांत बचे हुए खाने के निपटारे की सुनिश्चित व्यवस्था हो। इसकी जिम्मेदारी हलवाई और जजमान दोनों की रखी जाए।

भूखे को मिल जाएगा, पौष्टिक खाना
बेवजह नालियों में इसे क्यों बहाना ।।

6. ऐसे NGOs, अनाथ आश्रम, वृद्धा आश्रम और रैन बसेरे के फोन नंबर अनिवार्य रूप से हर हलवाई के पास उपलब्ध होने चाहिए जो बचे हुए भोजन को स्वीकार करते हैं।

आओ, हम सब मिलकर
अपने देश में एक ऐसा नियम लाए
बचा हुआ अच्छा भोजन, जरूरतमंद तक पहुंचाएं।।

7. खाना खाने के बाद जहां प्लेट रखी जाती है वहां पर कुछ वॉलिंटियर्स को खड़ा किया जाए। जो लोग पूरा खाना खाकर खाली प्लेट रखते हैं उन्हें सम्मानित करने के उद्देश्य से एक फूल भेंट किया जा सकता है।

8. भोजन की बर्बादी करना गलत है, इस आशय के बैनर भी लगाए जा सकते हैं।

Eat what you take
Take what you eat

9. बुफे खाने के सिस्टम को जो अब अपरिहार्य सा हो गया है यदि हम बदल पाए तो बहुत अधिक मात्रा में खाने को बर्बाद होने से रोक सकते हैं। वैसे भी खड़े होकर भोजन तो पशु करते हैं। मनुष्य को आनंद तो बैठकर खाने में ही मिलता है।

10. वर पक्ष एवं वधू पक्ष दोनों ही विवाह समारोह में अन्न की बर्बादी रोकने का संकल्प सगाई या पहले के किसी छोटे कार्यक्रम में सबके समक्ष लेकर एक आदर्श प्रस्तुत करें।

अत: हम सभी को एकजुट होकर मानवता की खातिर और अपने कुमावत समाज के विकास के खातिर अन्न की इस महा बर्बादी को रोकने की दिशा में प्रयास करने ही होंगे।

कुमावत समाज के विकास हेतु आप अपने सुझाव whatsapp नंबर 9408093778 पर दे सकते हैं। आपके सुझाव, नाम सहित कुमावत विज़न 2030 के स्तम्भ में प्रकाशित आलेख में किए जाएँगे।

अन्न ही जीवन है, इसका मान करें अन्न ही ईश्वर है, इसका सम्मान करें। **-डॉ प्रिया मारवाल,** Asst. Professor

गायक मोहन कुमार बालोदिया के निर्देशन में 'ऐ मोहब्बत जिंदाबाद' कार्यक्रम का आयोजन

बॉलीवुड के गोल्डन एरा के दौरान सत्तर और नब्बे के दशक में सुपर हिट रहे गीतों का कार्यक्रम 'ऐ मोहब्बत ज़िंदाबाद' महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। बालोदिया इवेंट्स एंड लाइव बैंड के बैनर तले कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राजधानी जयपुर के जाने माने टी सीरीज गायक, संगीत गुरू और कार्यक्रम के निर्देशक मोहन कुमार बालोदिया ने ऐ मोहब्बत जिंदाबाद..., अरे यार मेरी तुम भी हो गजब... जैसे गीत गाकर समां बांध दिया। रश्मि बालोदिया (वाईस ऑफ लता मंगेशकर) ने दिल दिवाना बिन सजना के माने ना... गीत गाकर माहौल में रूमानियत भर दी। हनुमान शर्मा ने ओ साथी रे तेरे बिना भी क्या जीना.... गाना गाकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। जयपुर के हास्य कलाकार प्रथम कुमावत ने व्यंग्यात्मक प्रस्तुतियों से श्रोताओं को जमकर हंसाने का काम किया। अपने नाम के अनुरूप हास्य व्यंग्य से श्रोताओं की खूब तालियां बटोरी। प्रथम कुमावत ने जितेन्द्र, राजेश खन्ना, धर्मेन्द्र और अमिताभ बच्चन के अभिनय की झलक को भी मंच पर जींवत किया।

कार्यक्रम का संचालन प्रियंका वर्मा ने किया।मोहन कुमार बालोदिया में निर्देशन में रश्मि बालोदिया, नागेश भटनागर, राजीव माथुर, कृष्ण कुमार मीणा, राजीव सक्सेना, नीना सक्सेना, विशाल शर्मा, रणवीर सिंह, संजय भटनागर, सतीश शर्मा, गणेश सुथार, हनुमान शर्मा, बेला माथुर, मनीषा जैन, विधि आचार्य और निकिता लालवानी ने अपने सुरों की महक से इस शाम को गुलजार कर दिया। 15 गायकों ने गाए गाने इस शाम में पूरे 27 गानों को इन गायकों ने परफार्म किया जिसमें मिलती है जिंदगी में मुहब्बत कभी कभी, प्यार हमारा अमर रहेगा, ओ मेरे दिल के चैन, कोयल सी तेरी बोली, देर ना हो जाये कहीं देर ना हो जाये, क्या खूब लगती हो, ये दिल तुम बिना कहीं लगता नहीं, ये रातें ये मौसम नदी का किनारा जैसे अपने ऐरा के सदाबहार नगमों को शामिल किया गया था।संगीत संयोजन लाजवाब आयोजन में बेहतरीन सुरों का साथ देने और संभालने के लिए राजधानी के जाने माने संगीतकारों की बोर्ड पर जाफर हुसैन, गिटार पर अंशु सक्सैना, जॉजड्रम पर राजकुमार शर्मा, ढोलक पर महेन्द्र शर्मा, ऑक्टोपैड पर दुर्गेश बालोदिया, तबले पर सावन डांगी संगीत कर रहे थे। साउंड संयोजन बालोदिया इवेंट्स एंड लाइव बैंड का था।

सेहतमंद जीवन और लंबी उम्र के लिए हंसिये और हंसाते रहिए

अच्छे स्वास्थ्य, मानसिक शांति एवं समग्र विकास के लिये हँसना जरूरी है। इसलिए विश्व हास्य दिवस विश्वभर में मई माह के पहले रविवार को मनाया जाता है। इस साल 5 मई को विश्व हास्य दिवस मनाया जाएगा। आज के तनाव, अशांत, चिन्ता एवं परेशानियों के जीवन में हास्य की महति आवश्यकता है। क्योंकि हँसना सभी के शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक एवं बौद्धिक विकास में अत्यंत सहायक है। हंसी हमारे जीवन की सफलता की चाबी है व अनेक समस्याओं का समाधान भी है। हँसी दुखी दिल के घावों को भरने वाला मलहम है। हमारे चेहरे का व्यायाम है और मन का आराम। हँसने से लोगों का बचपन जागता है साथ ही मन को शांति भी मिलती है। वैसे तो खुश रहना अपने आप में कई बीमारियों को दूर रखने का सबसे आसान और कारगर उपाय है। लेकिन आजकल की भागदौड़ भरे जीवन में अपने कैरियर और फैमिली की जिम्मेदारियों, वर्कलोड, बढ़ती दूरियां और अकेलेपन की वजह से जिंदगी से हँसी तो मानों गायब सी हो गई है। लेखक हास्य कलाकार प्रथम कुमावत का कहना है कि 'लोग इसलिए नहीं हँसते कि वे बूढ़े हो गए हैं। वे बूढ़े ही इसलिए हुए कि उन्होंने हँसना बंद कर दिया है।'

शोधकर्ताओं का कहना है कि जैसे-जैसे हम बड़े हो रहे हैं, हमारा हँसना कम हो रहा है। डॉक्टरों के मुताबिक हर इंसान को हँसना जरुरी है। क्योंकि हँसी के बिना हर व्यक्ति अधूरा है। हँसने से ब्लड शुगर लेवल कम होता है। इसके अलावा हँसने से मन को शांति मिलती है। हँसने से दर्द कम होता है। हंसी विभिन्न समुदायों को जोड़कर नए विश्व का निर्माण कर सकती हैं। हंसी ही दुनिया को एकजुट कर सकती है। मानव शरीर में पेट और छाती के बीच में एक झिल्ली होती है, जो हँसते समय धौंकनी का कार्य करती है। पेट, फेफड़े और यकृत की मालिश हो जाती है। हँसने से प्राणवायु का संचार अधिक होता है व दूषित वायु बाहर निकलती है। नियमित रूप से खुलकर हँसना शरीर के सभी अवयवों को ताकतवर और पुष्ट करता है व शरीर में रक्त संचार की गति को बढ़ाती है तथा पाचन तंत्र अधिक कुशलता से कार्य करता है।

योग गुरू दीपिका कुमावत बताती है कि आज नीरसता, थकान व तनाव भागदौड़ भरे जीवन का हिस्सा बन गए हैं। क्रोध, भय, तनाव के नकारात्मक प्रभाव को जीवन से समाप्त करने के लिए हास्य योग का विशेष प्रभाव है। इसलिए हँसना सीखें और जी भर के हसें। आपका जीवन स्वस्थ और खुशनुमा हो जाएगा। आधुनिक समय में लोगों के चेहरों से मुस्कान लुप्त होती जा रही है। हास्य क्लब, योग सेंटरों और मुस्कान सेंटरों पर भीड़ बढ़ रही है। इससे लोगों के तनाव भरे जीवन का पता चलता है। तनाव को कम करना अंतिम संरचना को मजबूत करना है। इससे मुक्ति सांसों को मजबूत करती है और चेहरे पर अनोखी आभा का संचार करती है। एक छोटा बच्चा दिनभर में 300 से ज्यादा बार हँसता है, लेकिन हमने मुस्कुराना ही छोड़ दिया है।

दुनिया में सुख एवं दुःख दोनों ही धूप-छाँव की भाँति आते-जाते रहते हैं। यदि मनुष्य दोनों परिस्थितियों में हँसमुख रहे तो उसका मन सदैव काबू में रहता है वह चिंता से बचा रह सकता है। हँसने से आत्मा खिल उठती है। इससे आप तो आनंद पाते ही हैं दूसरों को भी आनंदित करते हैं। हास-परिहास पीड़ा का दुश्मन है, निराशा और चिंता का अचूक इलाज और दुःखों के लिए रामबाण औषधि है। हँसने-हँसाने से तन-मन में उत्साह का संचार होता है और दिल से हँसना तो किसी दवा से कम नहीं है। हंसी एक उत्तम टॉनिक का काम करती है। हमें न केवल पारिवारिक परिवेश में बल्कि ऑफिस में हंसी-मजाक को बढ़ावा देना चाहिए। ऑफिस का माहौल मेल-जोल और हंसी मजाक वाला हो, जिससे टीम के बीच काम के प्रति उत्साह का संचार हो सके। खूबसूरत चेहरे के लिए हँसना कारगर साबित हो सकता है। हँसने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, जिससे व्यक्ति का आत्मविश्वास बढ़ता है। मेडिकल प्रयोगों में पाया गया है कि 10 मिनट तक हंसते रहने से दो घंटे की गहरी नींद आती है।

जापान में भगवान बुद्ध के शिष्य थे होतेई। वह बड़े अलमस्त स्वभाव के भिक्षुक थे। वह बेहद निर्लिप्त और निरपेक्ष भाव से जीवन जीने में विश्वास रखते थे। वह जिस कार्य को करते, उसमें पूरी तरह डूब जाते थे, तल्लीन हो जाते। जापान में ऐसी मान्यता है कि एक बार होतेई मेडिटेशन करते-करते इतने रोमांचित हो गए कि ध्यानावस्था में जोर-जोर से हँसने लगे। इस अद्भुत घटना के उपरांत ही लोग उन्हें लाफिंग बुद्धा के नाम से संबोधित करने लगे। घूमना-फिरना, देशाटन करना, लोगों को हँसाना व खुशी प्रदान करना लाफिंग बुद्धा का ध्येय बन गया। चीन में लाफिंग बुद्धा को पुताई के नाम से भी जाना जाता है। चीनी लोग उन्हें एक ऐसे भिक्षुक के नजरिए से देखते हैं, जो एक हाथ में धन-धान्य का थैला लिए, चेहरे पर खिलखिलाहट बिखेरे अपना बड़ा पेट और थुलथुल बदन दिखाकर सभी को हँसाते हुए सकारात्मक ऊर्जा देते हैं। वे समृद्धि व खुशहाली का संदेशवाहक और घरों के वास्तुदोष निवारण का प्रतीक भी माने जाते हैं। जापान जैसे देशों में लोग अपने बच्चों को प्रारंभ से ही हँसते रहने की शिक्षा देते हैं, ताकि उनकी भावी पीढ़ी सक्षम एवं तेजस्वी हो।

हँसने वाले व्यक्तियों के कई सारे मित्र बन जातें हैं और इस प्रकार उनमें भाईचारा और एकता की भावना कब उत्पन्न होती हैं, पता ही नहीं चलता। आज हर व्यक्ति के जीवन में हड़कंप मचा हुआ है। ऐसे में हँसी दुनियाभर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकती है। डर, भय, असुरक्षा, आतंकवाद से हर इंसान सहमा हुआ है, तब 'हास्य दिवस' की अत्यधिक आवश्यकता महसूस होती है। इससे पहले इस दुनिया में इतनी अशांति कभी नहीं देखी गई। इस व्यस्त, अशांत एवं तनावग्रस्त जिंदगी में लोग कम से कम एक दिन तो अपने लिए निकालें और जी भरकर हँसे और हँसायें।

-प्रथम कुमावत, हास्य कलाकार
बरकत नगर, जयपुर

परिवार संस्था की ओर लौटता अमेरिका

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव नजदीक हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रम्प की प्रतिज्ञाओं में से एक है कि उन्हें अमेरिकी समाज में **परिवार** चाहिये। अमेरिका आज परिवार-परिवार चिल्ला रहा है, आखिर कोई तो बात होगी जिसकी वजह से परिवार की वापसी की मांग की जा रही है।

वैसे तो अमेरिका ने ही पहले परिवार रूपी संस्था को तोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी ओर उसे तहस-नहस कर दिया था। अमेरिकी, परिवार में रहने को अपनी स्वतंत्रता में बाधक मानते रहे हैं। बच्चों को वहां आत्मनिर्भरता के नाम पर सिखाया गया कि उनका जीवन सिर्फ उनका है और थोड़ा बड़ा होने पर बच्चे स्वयं को परिवार से अलग कर लेते हैं तथा कभी-कभी ही परिवार से मिलने आते हैं। स्वयं की आजादी के नाम पर पश्चिमी देशों में परिवार के प्रति नकारात्मकता फैलाई गई, जिससे उनका एकाकी जीवन हो गया। युवा शादी भी अपनी पसंद से करने लगे तथा बार-बार तलाक की स्थितियां आने लगी। इससे युवा डिप्रेशन के शिकार होने लगे। उधर बुढ़े माँ-बाप भी परेशान हो गये, उनकी वृद्धावस्था में देखभाल के लिए बच्चे साथ नहीं होते। पर पश्चिमी देशों में वृद्ध लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल तथा रोजमर्रा की केयर की सरकारी व्यवस्थाएं अच्छी होने से जीवन सम्भल जाता है पर परिवार के बच्चे साथ नहीं होने से वे असहज तो होते ही हैं। अकेलेपन की बीमारी दुनिया में महामारी का रूप लेने लगी है यह WHO का भी कहना है।

भारत की स्थिति : एकाकी परिवार का प्रचलन अब भारत जैसे देशों में आ गया है। नौकरियों के सिलसिले में गांव या छोटे शहरों से बच्चे बैंगलुरू, हैदराबाद, पुणे, गुरुग्राम, नोएडा जैसे शहरों में चले गये। कुछ तो विदेश में नौकरियां कर रहे हैं। ये अपने परिवार से मिलने वर्ष में एक-आध बार भी नहीं आते। काम का प्रेशर और छुट्टियों का अभाव रहता है और धीरे-धीरे ये वहीं के होकर रह जाते हैं तथा ऑफिस की सहकर्मी से शादी कर लेते हैं, तो इन्हें अपने गांव व परिवार की कोई परवाह नहीं होती। इन्हें तो परिवार व गांव तब याद आया जब '**कोरोना**' आया। पर कोरोना की स्थिति में सुधार होने पर फिर से वे लौट गये तथा पुरानी स्थिति फिर से आ गई। अर्थात् कोरोना से भी इन युवाओं ने सीख नहीं ली।

अमेरिका के डाक्टर, मनोवैज्ञानिक, समाजसेवी, अध्यापक तथा पुलिस भी समवेत स्वर में कहने लगे कि मनुष्य के लिए परिवार जरूरी है। मनुष्य अकेला नहीं रह सकता, यदि रहता है तो अकेलेपन का शिकार हो जाना सम्भावित है, वर्तमान में 4 करोड़ अमेरिकी इससे प्रभावित हैं। यूरोप में भी कमोवेश ऐसी स्थितियां हैं। परिवार के न रहने की कीमत सरकार को चुकानी पड़ रही है क्योंकि छोटे-छोटे कामों के लिए लोग सरकार की ओर देखते हैं और सुविधा सम्पन्न होने के बाद भी उनकी सुनवाई नहीं होती। ऐसे लोगों के चेहरे पर **दीनता** नजर आती है और मुस्कुराहट **बनावटी।**

भारत में तो पश्चिमी देशों जैसे सुविधाएं अभी नहीं है। वृद्धावस्था में केयर करना सरकारी स्तर पर कठिन है तथा गांवों में ऐसा करना नामुमकिन है। इसलिए भारत में अधिक सतकर्ता बरतने की जरूरत है। **युवा पश्चिमी देशों की हवा में नहीं बहकें और परिवार से जुड़ाव अवश्य रखें।** माँ-बाप तथा परिवार ने बचपन से ही बच्चों का ध्यान रखा और भविष्य में कोई मुसिबत आयेगी तो भी ख्याल रखेंगे। वहीं बच्चे भी अपने परिवार से जुड़े रहे वेतन का एक अंश परिवार को अवश्य दें और त्योहारों, छुट्टियों तथा शादी-विवाह पर परिवार के पास जायें।

परिवार के बुजुर्गों का ध्यान रखने की नैतिक जिम्मेदारी निभाकर खुश हों क्योंकि न जाने किन परिस्थितियों में उन्हें परिवार ने पढ़ा-लिखाकर योग्य बनाया है। अब जब परिवार को लौटाने का समय आया है तो पीछे नहीं हटें। जब अमेरिकी लोग परिवार के महत्व को मानने लगे हैं तो हम भारतीय परिवार रूपी संस्था को और मजबूती देकर विश्व में आदर्श प्रस्तुत करें तथा एकाकी परिवार से आने वाली समस्याओं से बचें।

-रमेश कुमावत, से.नि. उपायुक्त राज्य कर

आध्यात्मिक जीवन का अर्थ है कि मनुष्य अन्तर्मुखी होकर चिन्तन, मनन, ध्यान एवं साधना में लगे। इस बात का सदैव ध्यान रखें कि उसे मानव योनि में जन्म क्यों मिला है? वह कौन है? उसकी आत्मा और परमात्मा का क्या सम्बन्ध है? उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि उसके कर्मों का लेखा-जोखा रखने वाला परमात्मा सदैव साक्षी रूप में उसके साथ है। उन कर्मों का फल उसे ही भोगना पड़ेगा। इस प्रकार चिन्तन करते हुए मानव धर्म का पालन करना ही आध्यात्मिकता है।

-पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

भूल सुधार

पृष्ठ 25 पर स्व. श्रीमती दुर्गा देवी कुमावत के श्रद्धांजलि विज्ञापन में नीमीवाल परिवार व उसके पश्चात ''ताराशंकर दादरवाल परिवार और पढ़ा जाए'', जो त्रुटि वश रह गया था। **- सम्पादक**

वास्तु के अनुसार बनाए घर

यदि वास्तुशास्त्र के अनुसार घर बनवाया जाए तो यह दु:ख, दरिद्रता, बीमारियां आदि से हमें दूर रखता है। घर यदि वास्तुशास्त्र के अनुसार हो तो घर में शांति और खुशहाली रहती है। घर में यदि आपको अच्छी सुकून की नींद, अच्छा सेहतमंद भोजन और भरपूर प्यार-अपनत्व नहीं मिल रहा है तो घर में वास्तुदोष है। वास्तुशास्त्र के अनुसार भवन बनवाते समय कुछ बातों का ध्यान दें—

- व्यापार अथवा करियर में धन लाभ के लिए व्यक्ति को अपने पूजाघर में हस्त निर्मित लक्ष्मी बीसा यंत्र, संपूर्ण वास्तु यंत्र, हस्त निर्मित एवं रत्न जड़ित संपूर्ण श्री यंत्र के साथ ही गोमती चक्रयुक्त कछुआ और गोमती चक्र युक्त स्वास्तिक का प्रयोग करना भी बेहद शुभ और उत्तम फलदायक माना जाता है।
- घर में पूजा स्थल बनाना हो तो वह उत्तर-पूर्व दिशा में होना चाहिए। घर में पूजा स्थल तो होना चाहिए लेकिन शिवालय नहीं, आप चाहें तो शिवजी की मूर्ति अवश्य रख सकते हैं।
- घर के ठीक सामने कोई पेड़, नल या पानी की टंकी नहीं होनी चाहिए। ऐसी चीजों की वजह से घर में परेशानियां हो सकती हैं।
- यदि रसोई कक्ष का निर्माण सही दिशा में नहीं किया गया है तो परिवार के सदस्यों को भोजन से पाचन संबंधी अनेक बीमारियां हो सकती हैं। रसोईघर के लिए सबसे उपयुक्त स्थान आग्नेय कोण यानी दक्षिण-पूर्वी दिशा है, जो कि अग्नि का स्थान होता है।
- बेसमेंट में निवास स्थान कभी नहीं बनाना चाहिए।
- वास्तु के हिसाब से उत्तर, पूर्व तथा ईशान कोण क्षेत्र बोरिंग व जल भंडारण के लिए शुभ है।
- अगर पति-पत्नी में लगातार झगड़ा होता है तो उन्हें वास्तु के हिसाब से अपने डबल-बेड पर इकहरा गद्दा बिछाना चाहिए!
- वास्तुशास्त्र के अनुसार बेडरूम में पलंग के ठीक सामने आईना होना अशुभ होता है। इससे गृहस्वामी को अनिद्रा, बेचैनी जैसी परेशानियां हो सकती हैं।
- घर के पास कांटेदार वृक्ष जैसे बबूल आदि होने से शत्रुभय, दूध वाले वृक्ष जैसे आक, कटैली आदि से धननाश और फलदार वृक्ष संतान के लिए हानिकारक होते हैं।
- तुलसी का पौधा हमेशा घर के पूर्व दिशा या उत्तर दिशा की ओर ही लगाना चाहिए, दक्षिण दिशा में तुलसी से परेशानियां हो सकती हैं।
- घर में गंदगी, कूड़ा-कबाड़ और बिखरे पड़े सामान से घर के सदस्यों को अपने लक्ष्य हासिल करने में परेशानियां हो सकती हैं।
- घर की छत को हमेशा साफ रखें, मकान की छत पर बेकार या टूटे-फूटे समान को न रखें।
- घर के सामने अगर कोई फलदार पेड़ जैसे केला, पपीता या अनार आदि है तो उसे कभी सूखने ना दें, अगर यह सूख रहा है या फल नहीं दे रहा तो घर के जातकों को संतानोत्पत्ति में परेशानियां हो सकती हैं।
- फेंगशुई के अनुसार हंसों का जोड़ा शयनकक्ष में रखने से पति और पत्नी के बीच प्यार और विश्वास में वृद्धि होती है।
- ऐसी वस्तुएं जिससे वैवाहिक जीवन के आनंदमय क्षणों की याद आती रहे, उन्हें नैऋत्य कोण में लगाने से कटुता में कमी आती है।
- यदि पढ़ाई करते वक्त बहुत ज्यादा नींद आती हो, पढ़ाई में मन न लगे, रुकावटें आए तो इसके लिए छात्र को पूर्व की तरफ सिरहाना करके सोना चाहिए।

-डॉ योगेश, ज्योतिषाचार्य, मानसरोवर, जयपुर।
M.:8058169959

त्योहार

त्योहार हमारे जिंदगी में सिर्फ त्योहार नहीं होता,
एक परंपरा, आदर्श व मानवता का प्रतीक है होता।
हर दिन से हटकर कुछ अलग सा है होता,
हर पर्व पर रौनक बेशुमार हैं होती।
त्योहार से हमारी संस्कृति झलकती,
हमारी संस्कृति से हमारे त्योहार की शोभा निखरती।
त्योहार न हो तो, सबकुछ हो जाए फीका,
आपस में खुशियाँ बाँटने का कोई मौका ही न होता।
आया है त्योहार, मन में झरने सा बहने लगता,
फिर से हँसने, बोलने का अवसर मिलता।
वो ईद की सेवइयाँ, वो होली की गुझियाँ,
दीवाली की रात, जगमगाती दीपों का नजारा,
राखी के पावन पर्व पर भाई की भरी कलाइयाँ।
त्योहार हमारे जीवन में अनेक रंग हैं भरते।
त्योहार की रंगत न हो तो हर दिन सूना ही होता,
बिना पर्व हमारी खुशियों में इज़ाफ़ा नहीं होता।
त्योहार हमारे जिंदगी में सिर्फ त्योहार नहीं होता,
एक परंपरा, आदर्श व मानवता का प्रतीक है होता।

CA श्री कमलेश कुमावत निवासी बेगू, चित्तौड़गढ़ का भारतीय प्रशासनिक सेवा में 653वीं रैंक प्राप्त कर चयनित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर (स्व.)
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोड़िया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, पांचावाला, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर, झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल, टोंक फाटक, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, ढोडसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर, जयपुर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर
वि/149 श्री छीतरमल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/150 श्री कैलाश घोड़ावड़, सूरत
वि/151 श्री गणेश लाल कुमावत, देवी नगर, जयपुर
वि/152 श्री ओम प्रकाश वर्मा, अलथान रोड, सूरत

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

19 मार्च श्रीमती भोती देवी धर्मपत्नी स्व. श्री मोहनलाल होदकास्या, झोटवाडा, जयपुर
20 मार्च श्रीमती बादामी देवी धर्मपत्नी श्री रामनारायण धुन्धारिया, नींदड, जयपुर
20 मार्च श्रीमती छोटी देवी धर्मपत्नी श्री बालूराम ब्याडवाल, बस्सी, जयपुर
21 मार्च श्रीमती विमला वर्मा धर्मपत्नी स्व. श्री रामसिंह जालवाल, बापू नगर, जयपुर
21 मार्च श्री प्रहलाद मारवाल (भगत जी), किसान मार्ग, टॉक्कॉटक, जयपुर
23 मार्च श्रीमती नोरती देवी धर्मपत्नी श्री चांदमल गुरिया, देव डूंगरी, मदनगंज-किशनगढ
24 मार्च श्रीमती तारामणी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री केदारमल मारवाल, ग्राम-अमरसर
25 मार्च श्री रामप्रसाद कोलूगरिया, सूर्य नगर-बी, गोकुलपुरा, जयपुर
25 मार्च श्रीमती मनफूलीदेवी धर्मपत्नी स्व. श्री रूडमल अभावडिया, लाल कोठी, जयपुर
26 मार्च श्रीमती गुलाब देवी धर्मपत्नी स्व. श्री मोतीराम धमुनिया, गायत्री नगर, सोडाला, जयपुर
26 मार्च श्री डेनी कुमावत (छापोला), इन्दिरा वर्मा कॉलोनी, शास्त्री नगर, जयपुर
28 मार्च श्री चौथमल जालवाल (काकाजी), कुमावत कॉलोनी, झोटवाडा, जयपुर
28 मार्च श्री रामस्वरूप खाटूवाल, खाटूवालों की ढाणी, ग्राम-उदयपुरिया, चौमूं
29 मार्च श्री शीतल प्रसाद मारवाल, कल्याण जी का रास्ता, चांदपोल बाजार, जयपुर/ 9529955595
29 मार्च श्रीमती ममता देवी धर्मपत्नी श्री जगदीश प्रसाद कुमावत, आकेडा चौड, जयपुर।
30 मार्च श्री नरेन्द्र मारवाल सुपुत्र स्व. श्री ओमप्रकाश, हवा सड़क, सोडाला, जयपुर
30 मार्च श्री दुर्गालाल किरोड़ीवाल (धोलासरी वाले), मालवीय नगर, इन्दौर
31 मार्च श्री जगदीश मारवाल पुत्र स्व. श्री नारायण मारवाल, शास्त्री नगर, जयपुर
31 मार्च श्री भंवरलाल कारगवाल पुत्र स्व. श्री नानगराम कारगवाल, महापुरा
2 अप्रेल श्री लक्ष्मीनारायण किरोडीवाल, नन्दपुरी कॉलोनी, हवा सडक, 22 गोदाम, जयपुर
2 अप्रेल श्री लादूराम देवतवाल, बर्फानी धाम के पास वाली गली, इन्दौर
3 अप्रेल श्रीमती माया देवी धर्मपत्नी श्री स्वामी सरन मारवाल, डिग्गी मालपुरा रोड, सांगानेर, जयपुर
3 अप्रेल श्री लालचन्द कारगवाल, लाल कोठी योजना, जयपुर
4 अप्रेल श्री मोहनलाल कण्डेरीवाल, बेरावाली ढाणी, पीयावास, हायोज (नारायण सिटी), जयपुर
5 अप्रेल श्री चौथमल खोरानिया, खोरानियों की ढाणी, टोडी, ग्राम-नींदड, जयपुर
6 अप्रेल श्रीमती भंवरी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री नारायणलाल छापोला, साकेत विहार, हाथोज, जयपुर
10 अप्रेल श्री चेतन लाल जी कुमावत, बरकत नगर विस्तार टोंक फाटक, जयपुर
10 अप्रेल श्री अशोक कुमार राहोरिया, कल्याण कुंज कॉलोनी, जयपुर
11 अप्रेल श्री भंवरलाल जी लुहाणिवाल, रामनगर-बी, झोटवाड़ा, जयपुर
13 अप्रेल श्री सत्यनारायण जी भोड़या (उस्ताद) धोली मण्डी, चौमूं
14 अप्रेल श्री महादेव जी कारगवाल, रामबाग रोड, नीदड़, जयपुर
15 अप्रेल श्री रामकुमार जी धुंधारिया, रामबाग की ढाणी, नीदड़, जयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
अक्षय	M.Com. CA(Final)	AG-III in FCI Govt.	22.1.94	5'9''	किरोड़ीवाल	राहोरिया	घोड़ेला	मारवाल	9887069288	जयपुर
निखिल	B.A.	HDB Financial Serv.	19.2.99	5'7''	खोवाल	तोंदवाल	देवतवाल	कुदाल	8560037586	जयपुर
अभिषेक	B.Tech. (civil)	Pvt. Engineer	28.3.96	5'6''	खोरानिया	मारवाल	बधानिया	सिरोहिया	9351543277	जयपुर
अंकित	B.Com., LLB	Advocate	15.2.94	5'6''	गोठवाल	साड़ीवाल	बत्रा	घीया	9928696867	उदयपुर
दिनेश	B.Tech	Engi. in HPCL	26.9.96	5'10''	बरंडवाल	खोवाल	खरनारिया	दम्बीवाल	9413285291	जयपुर
कमलेश	B.Tech.(civil)	JEN (PHED)	18.10.97	5'9''	पारमुवाल	नोखवाल	खोवाल	खरस्या	9828816292	सीकर
कमलदीप	B. Tech (IT)	Job. in Pvt. Ltd.	11.7.94	5'8''	बासनीवाल	किरोड़ीवाल	जालवाल	कारगवाल	9314870337	जयपुर
संदीप	BCA	Developor	12.7.97	5'8''	खोराणिया	खंडारिया	बालोदिया	कारगवाल	9829165119	जयपुर
पूरामल	M.Sc.(Palhology)	AG officer in SBI	14.7.98	5'10''	राहोरिया	सिंगाठिया	घोड़ेला	किरोड़ीवाल	8058630233	जयपुर
शुभम	M.Com.	Accountent (Pvt.)	2.4.93	5'8'	अनावड़िया	कुलचानिया	बालोदिया	देवतवाल	9929648308	जयपुर
भारत	B.Com.	Self Business	20.12.93	5'9''	धमूनिया	खोराणिया	बालोदिया	भरभूटिया	8107685811	जयपुर
दीपेश	B.Com,	Gen pact	13.8.95	5'8''	खाटूवाल	मोब्या	करोड़ीवाल	भोरोदिया	9887419242	जयपुर
योगेश	M.Com.	-	30.6.97	5'7''	देवतवाल	मामोड़िया	बालोदिया	अनावड़िया	8058801772	जयपुर
रोहित	BE (E&I)	Senior Associate	20.6.94	5'4''	घोड़ेला	मारवाल	नीमीवाल	बेडवाल	9892438999	गुढ़ागोड़जी
राहुल	MCA	Salesoffice developer	4.8.92	6'0''	देवतवाल	तांगड़ा	माचीवाल	सिरोहिया	7222822277	जयपुर
सुनील	B. Com.	Software designing	12.8.94	5'9''	घोड़ेला	बबेरीवाल	होदकास्या	कुदाल	8209380407	जयपुर
कुनाल	M.Com.	Pvt., Ltd.	21.1.97	-	घोड़ेला	धुंधारिया	होदकास्या	बबेरीवाल	9309448137	जयपुर
राहुल	B.Tech (ECE)	Adm. Counselor	9.11.92	5'6''	कारगवाल	देवतवाल	होदकास्या	राजोरिया	8955845511	जयपुर
शशि	B.Com.	Business Development	6.4.92	-	मावर	दम्बीवाल	देवतवाल	अजमेरा	9414593308	बांसवाड़ा

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
अदिति	B.Tech. (CS)	Senior Developer	16.11.97	5'5''	राजोरिया	खोवाल	जेठीवाल	घोड़ेला	9214824200	जयपुर
राखी	M.Sc.	-	1.5.2000	5'6''	कुलचानिया	कारगवाल	तुनगरिया	कुकडवाल	9929523914	जयपुर
लविना	M.Com.	Working in Accenture	24.2.96	5'3''	मारवाल	आसीवाल	राजोरिया	देवतवाल	9602334016	जयपुर
भारती	M.A.	Teaching	5.10.93	-	गेदर	खैराटिया	मारवाल	घोड़ेला	9887689010	जयपुर
सरोली	B.Sc.	Coching RAS	26.02.2001	5'4''	कुण्डलवाल	बागोरिया	भदानीया	सिंघाटिया	8005746304	अजमेर
नेहा	C.A., M.Com.	Pvt.	11.6.94	5'3''	घोड़ेला	खोराणिया	सारड़ीवाल	देवतवाल	9782173579	जयपुर
मेघा	M.Com.	-	28.2.91	5'5''	बालोदिया	दम्बीवाल	मारवाल	आसोला	9414044879	जयपुर
कोमल	M.A.	Teaching	21.12.91	5'0''	जलान्दरा	घमेरिया	मोरवाल	किरोड़ीवाल	8003133837	जयपुर
हीना	M.Tech (CS)	Pvt. Ltd.	3.2.92	5'0''	मारवाल	बबेरीवाल	घासोलिया	मेनीधुतिया	9212307238	देहली
आकांशा	M.A., B.Ed.	B.Ed. (runing)	27.2.95	5'0''	तांगड़ा	बालोदिया	बबेरीवाल	अजमेरा	9414250972	जयपुर
स्वेता	M.A. (Fashion Des.)	Self Business	9.12.92	5'3''	दौराया	खण्डारिया	राजोरिया	बासनीवाल	9785026188	जयपुर
आंचल	BCA,MBA	Self Business	17.4.96	5'5''	मण्डालिया	झुंझुनोदिया	लिमीवार	कुदाल	9414556644	भीलवाड़ा
कल्पना	BHMS	-	14.4.2001	5'8''	रतीवाल	बैरा	खण्डारिया	झुंझुनोदिया	9413489100	-
मिनाक्षी	M.Sc., B.Ed., PGDCA	-	4.11.97	5'3''	सिरस्वा	किरोड़ीवाल	घोड़ेला	नगोरा	9413438524	नावासीटी
पूजा	M.E. (EC) BEd	Professor	8.10.91	5'3''	डंगरवाल	खटोड़	बरड़िया	पुखवाल	9424845889	उज्जैन
गरिमा	M.Com, CA	Pvt. CA	7.6.96	5'4''	धुंधारिया	दम्बीवाल	भडानिया	नरानिया	9461714657	जयपुर
तनु	M.Com.	-	27.3.2001	-	माचीवाल	नेमीवाल	अनावड़िया	बारावाल	9660230812	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्री:- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों, जनउपयोगी सूचना आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika@gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें।

-सम्पादक

आवश्यक सूचना

पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 25 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत करें एवं हमें भी सूचित करें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

सदस्यता समाप्ति सूचना

3 वर्षीय सदस्यता वाले सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-श्री विशाल कम्प्यूटर्स, बरकत नगर महेश नगर फाटक के पास, जयपुर, मो. 94613-43432
13. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
14. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
15. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
16. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

जयपुर होण्डा ''नेशनल सर्विस स्किल कांटेस्ट व ग्राहक सेवा'' में बना देश का सिरमौर सर्विस टीम ने जीता देश का नम्बर–1 खिताब

देश की दुपहिया वाहन निर्माता कम्पनी ''**होण्डा मोटर साईकिल व स्कूटर्स इण्डिया प्रा.लि.**'' के जयपुर में सात डीलर है उनमें से एक डीलर **जयपुर होण्डा** है यह गर्व की बात है कि यह डीलरशिप कुमावत समाज के परिवार की है। **जयपुर होण्डा** का उद्घाटन 2016 में **राजस्थान के पूर्व मुख्यमन्त्री श्री अशोक गहलोत जी** के हाथों से हुआ इसके उपरांत **जयपुर होण्डा** ने दुपहिया वाहन जगत में अपनी एक अलग पहचान कायम की। **जयपुर होण्डा** ने सर्विस पैरामीटर में अब तक नॉर्थ इण्डिया में चार बार नम्बर वन रह चुकी है और इस बार पूरे देश में **नेशनल सर्विस स्किल कांटेस्ट** में **नम्बर वन** का खिताब हासिल करने में कामयाब रही है। इस कांटेस्ट में देशभर के करीब 1200 मुख्य डीलर्स एवं उनके अधीन सब डीलर्स ने भाग लिया था। सर्वविदित है कि जापानी कंपनी के प्रबन्धन में निरन्तर अपने आपको बेहतर बनाये रखना एक श्रेष्ठ प्रबंधन को दर्शाता है। **जयपुर होण्डा** का मुख्य शोरुम जगतपुरा रोड, मालवीय नगर, जयपुर में स्थित है, एक शाखा कानोता आगरा रोड जयपुर में है और जयपुर जिले में पाँच सब डीलर है।

जयपुर होण्डा के सीएमडी श्री **मुकेश वर्मा कुमावत** ने **जयपुर होण्डा** की इस कामयाबी का श्रेय अपने छोटे भाई व डायरेक्टर **श्री प्रिंस कुमावत** और अपने बेटे **श्री पीयूष वर्मा** के बेहतर प्रबन्धन को देते इसे संपूर्ण **जयपुर होण्डा** परिवार के कठोर परिश्रम को दिया है। **जयपुर होण्डा** के डायरेक्टर **श्री प्रिंस कुमावत** व **श्री पीयूष वर्मा** से भविष्य में कोई नये व्यापार की शुरूआत करने की बात पर जानकारी दी कि **जयपुर एग्रो एस्टेट** के नाम से हमने आर्गेनिक फ्रूटिंग, पॉली हाउसेज व आधुनिक कृषि का कार्य भी शुरु किया है।

परिवार के मुखिया **श्री बाबूलाल वर्मा जी** (विद्युत विभाग से सेवानिवृत्त) से जब कुमावत पत्रिका ने सम्पर्क किया तो उन्होंने **जयपुर होण्डा** की इस शानदार कामयाबी का श्रेय अपने बच्चों की दिन–रात की मेहनत व अपने काम के प्रति ईमानदारी के साथ समर्पण को दिया। कुमावत इंडिया पत्रिका **श्री बाबूलाल जी** के परिवार को इसी तरह से भविष्य में तरक्की के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित करती है।

शोभना मारु का टेलीपरफार्मेंस में ''डायरेक्टर ऑपरेशन'' के पद पर चयन

शोभना मारु ग्रामीण परिवेश से है तथा अपने पिता की 5बेटियों में से एक है। रिश्तेदार एवं समाज वाले कहते थे कि इन बेटियों को पढ़ाई कराके क्या करोगे इसे आगे चलकर चूल्हा ही तो फूंकना है। लेकिन ये पढाई में बहुत होशियार थी। वह वर्ष 2007 में USA चली गई। उसे विदेश में कई नोकरियों के प्रस्ताव आये पर शोभना मारु सनातनी संस्कारों की होने के कारण USA से आ गई। उसका टेलीपरफार्मेंस MNC में ''डायरेक्टर ऑपरेशन'' के पद पर सलेक्शन हुआहै जो गर्व की बात है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से शोभना मारु को हार्दिक बधाई एवं शुभकामना।

पूजा कुमावत पुत्री श्री मनीराम नागोरा के होम्योपैथिक डाक्टर बनने पर बधाई व शुभकामनाए।

सुरभि टांक सहायक पायलेट बनी

21 वर्षीय सुरभि टांक पुत्री श्री कन्हैयालाल(व्याख्याता) ग्राम ज्ञानगढ निवासी ने पायलेट बन अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। यह इनकी कडी मेहनत व लगन से हासिल हुआ है। सुरभि का ननिहाल उदयपुर में है, उसकी शिक्षा वहां हुई। इसके बाद सुरभि ने वनस्थली विधापीठ से शिक्षा ली। पायलेट का कोर्स कानपुर से करके इंडोनेशिया से विशेष कोर्स कर इंडिगो एयरलाइंस में सहायक पायलेट के पद पर चयनित हुई।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से सुरभि टांक को पायलेट बनने पर हार्दिक बधाई।

कविता कुमावत पुत्री श्री सुभाष चन्द्र कारगवाल निवासी ततारसर का Central Excise, Customs and GST Inspector के रूप में चयन होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

श्रद्धांजलि

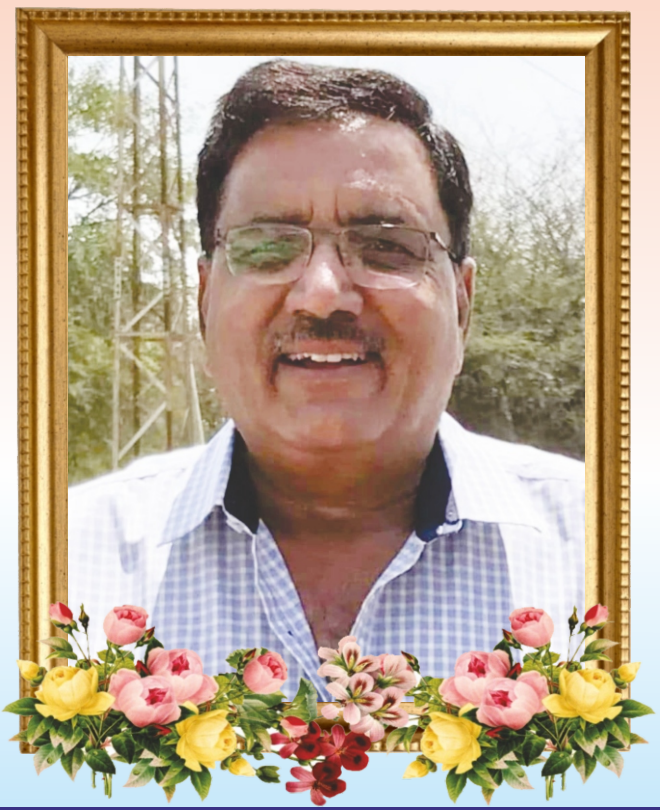

श्री विनोद बालोदिया

तृतीय पुण्य तिथि

13 मई, 2024

श्रद्धान्वत

पत्नी :	श्रीमती शशि कला बालोदिया
भ्राता-भ्रातावधू:	चेतन-अंजली, चन्द्रप्रकाश-कान्ता, दिनेश-भावना, सतीश, राकेश, मुकेश,
पुत्र-पुत्रवधू :	सुनील-रेनू, रवि-रिम्पल, पराग-मीना,
पुत्री-दामाद :	ट्वींकल-कमल अनावड़िया, निकिता-विजय कारगवाल,
पौत्र-पौत्री :	अंशुल, आशना, आरव, आर्यश,
दोहित्र :	शुभम, कृषि, आयरा, श्रीयक्ष, सनाया एवं समस्त बालोदिया परिवार तथा समस्त स्टॉफ राज ब्लॉक्स।

फर्म : राज ब्लॉक्स मो. 9414052736

बी-81, रोड नं. 4, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर

श्रद्धांजलि

द्वितीय पुण्यतिथि 21 अप्रेल 2024

स्वर्गवास 21.04.2022

स्व. श्री चन्द्र प्रकाश अजमेरा

हम सब परिवारजन अश्रुपूरित
श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

पुत्र-पुत्रवधु : गौरव अजमेरा-मीनू अजमेरा
पुत्री-दामाद : उर्वशी-राजेन्द्र बालोदिया, दोहिता : आकाश
पौत्री : किशिका, किन्जल एवं समस्त परिवारजन एवं मित्रमण्डल

निवास : डी-219, मालवीय नगर, जयपुर
मो. 9829488824

श्रद्धा सुमन

सप्तम् पुण्यतिथि 7 मई 2024

स्व. श्री भंवरसिंह वर्मा (भदाणियाँ)

सहायक नगर नियोजक (सेवानिवृत्त) जयपुर
पुत्र स्व. श्रीमती छुट्टन देवी एवं स्व. श्री किस्तूरचन्द भदाणियाँ (उप वास्तुविद)
सुपौत्र स्व. श्रीमती गुलाब देवी एवं स्व. श्री रामसहाय मिस्त्री

आप हमारे प्रेरणास्त्रोत व मार्गदर्शक बनकर
सदैव हमारे हृदय में रहेंगे।

श्रद्धानवत् श्रीमती भंवरी देवी (पत्नी)
उमराव सिंह-प्रेमलता, अशोक-बीना (भ्राता-भ्रातावधु)
राजसिंह-सुनीता, सज्जनसिंह-तारा (पुत्र-पुत्रवधु)
निखिल (इंजिनियर), अखिल (आर्किटेक्ट), नमन (पौत्र) एवं समस्त भदाणियाँ परिवार

फर्म : राजसिंह वर्मा - 9414238799 • स्वास्तिक डायमण्ड - 9829611108
राज एसोसिएट्स - 9252195252 • ड्रीम हाऊस मेकर्स - 9782649995
पता : 454, सुन्दर का बास, मिश्र राजाजी का रास्ता,जयपुर मो.: 9782996440

श्रद्धांजलि

स्व. श्री आनंदलाल जी कुमावत (रेणीवाल)

भूतपूर्व भारतीय वायुसेना अधिकारी
जन्म दि. 30.9.1935 प्रभुमिलन दि. 14.4.2021

स्व. श्रीमती शारदा देवी कुमावत (रेणीवाल)

जन्म दि. 3.8.1940 प्रभुमिलन दि. 26.4.2020

श्रद्धान्वत

पुत्र-पुत्र वधू: डॉ. पी.एम. कुमावत-श्रीमती रेनू कुमावत, डॉ. डी.एम. कुमावत-श्रीमती विनिता कुमावत,
पौत्र : डॉ. पर्व कुमावत एवं लविश कुमावत,
पौत्री-दामाद : डॉ. पंखुरी कुमावत- डॉ. सुरेश शेनवी एवं डॉ. गीतांजली कुमावत-डॉ. नितीश माथुर, **नाती :** प्रथम शेनवी

बी-21/4, महानन्दा नगर, उज्जैन (मध्य प्रदेश)

हमारे प्रिय

डॉ. दर्शन जालवाल

का M.S. हेतु AIIMS में चयन होने पर

हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं

दादा-दादी
स्व. श्रीमती गुरु प्यारी देवी खोवाल-
स्व. श्री प्रभुदयाल जालवाल

डॉ. दर्शन जालवाल
जन्म 14.1.1997

नाना-नानी
श्रीमती लक्ष्मी देवी भातरा
श्री राधेश्याम आसीवाल

दीदी-जीजाजी
श्रीमती नेहा-CA श्री सुमित

माता-पिता
श्रीमती किरण आसीवाल
श्री प्रेमसिंह जालवाल
सेवानिवृत्त तहसीलदार

दीदी-जीजाजी
श्रीमती मोहिता-श्री विजय
प्रकाश (IES) भारतीय रेलवे

भांजा खुशांश

शुभेच्छु

ताऊ-ताई : श्री धीरसिंह-स्व. आशा देवी, श्री ओम प्रकाश-कौशल देवी, अर्जुन सिंह-सावित्री देवी, **चाचा-चाची :** फतेह बहादुर-सुलोचना, विजय-सोहिनी, **भाई-भाभी :** महेन्द्र-प्रभा, हेमेन्द्र-विभा, हितेन्द्र-किर्ती, ऋषी-वर्तीका, अमर-कोमल, जतिन, खुश, दीपांशु, तरुण, **बुआ-फूफा :** रमेश जी-विमला, किशन जी-किशोर, **छोटे नाना-नानी :** सीताराम जी-मुन्नी देवी, **मामा-मामी :** सत्यप्रकाश-माया, नरेन्द्र-संजना, गोविन्द-सरीता, **मौसा-मौसी :** शशी-मोहन गढ़वाल, **भतीजे-भतीजी :** देवांश, रेयांश, मानवेन्द्र, भेवीन, दक्षिता, दिविशा

भांजा तीयांश

30-ए-सी, अशोक विहार, न्यू सांगानेर रोड, मान्यावास, जयपुर मो. : 9772201301, 6376573292

SP CONSTRUCTION

Building INDIA'S Construction

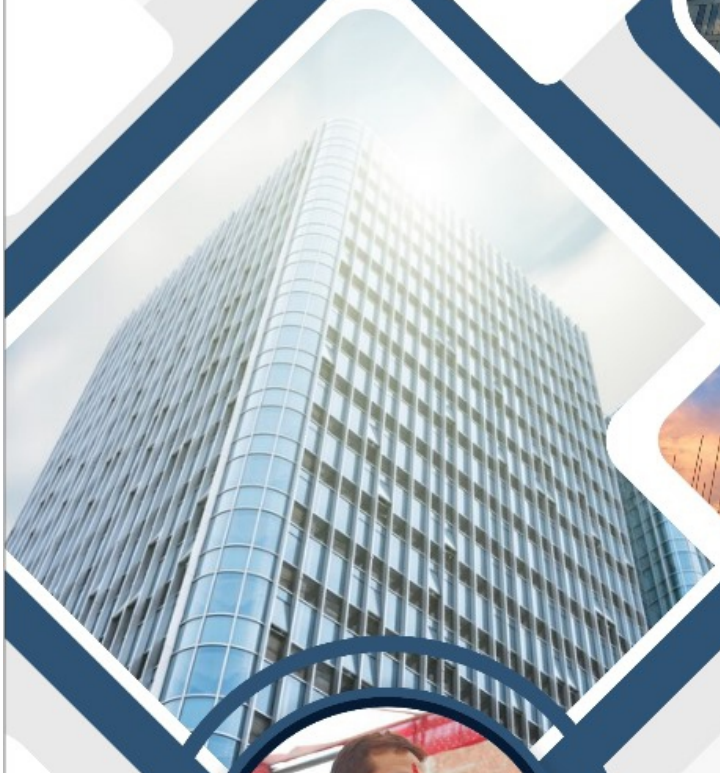

SHASHI PAL KUMAWAT

B-34, Devi Chiranjivi Colony, Surya Nagar, Gopal Pura Bye Pass, Jaipur 302015

Web: spconst.co.in E-Mail: info@spconst.co.in

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300